

जिला परिषद वार्ड 16 जहाँ प्रतिष्ठा, वजूद और शह-मात की जंग में दांव पर लगी है साख !

मुद्रा आपका, प्रत्याशी आपका और जुबान भी आपकी !

जिला परिषद से लेकर हर पंचायत के कुक्षेत्र की पल-पल की बेबाक और सटीक रिपोर्ट अब सीधे आप तक पहुँचेंगी। किसमें कितना दम है ? कौन किस पर भारी पड़ेगा ? किसकी राजनीति हमेशा के लिए खरब होगी ? और किस पार्टी का प्रत्याशी कमजोर साबित हो रहा है ? इसका असली आईना अब जनता के सामने होगा ।

मुद्रा आपका, प्रत्याशी आपका और जुबान भी आपकी ! धातल की हर एक सुगबुगाहट, भीतरघात और जीत-हार के असली गणित को जानने के लिए जुड़े रहिए हमारे साथ... बहुत जल्द हमारी टीम पहुँच रही है आपकी अपनी गाँम पंचायत में !

के कामकाज और विकास कार्य पर रहेंगे। सरपंच सत्यनारायण गुर्जर और उपसरपंच हेमलता सेन के सामने गांव की समस्याओं का समाधान, विकास कार्यों की गति देना और ग्रामीणों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने की जिम्मेदारी होगी। होड़ा में पंचायत चुनाव के इस परिणाम ने स्थानीय राजनीति में नई चर्चा शुरू कर दी है। विधायक के अपने गांव में दोनों प्रमुख पंचायत पदों पर कांग्रेस समर्थित प्रत्याशियों की जीत और विधायक के वार्ड से उपसरपंच का चुना जाना आने वाले समयों में गांव के राजनीतिक समीकरणों को प्रभावित कर सकता है।

भीलवाड़ा। शहर के संजय कॉलेजी स्थित ब्राह्मणों की कुटीर पर आज सुबह से ही मेले जैसा माहौल बना रहा।

अनसर यश, छःन्यात ब्राह्मण समाज संप्रति ट्रस्ट के अध्यक्ष पद के निर्वाचन का। ब्राह्मण समाज के सिसववाल,गुर्जागोड, सारस्वत,पारीक,दाधीच व खंडेलवाल समाज में से प्रत्येक से पांच-पांच सदस्य इस चुनाव में शामिल हुए। सुबह से ही तथा समय पर ट्रस्ट के पूराने व नए सदस्यों का आना शुभ हो गया।सुबह नित्य समय पर निर्वाचन की प्रक्रिया प्रारंभ हुई। ट्रस्ट के कार्यकारी अध्यक्ष लाल लाल व्यास,महामंत्री राजेन्द्र सारस्वत व कोषाध्यक्ष पीयूष पाठोदिया के अनुसार मुख्य निर्वाचन अधिकारी निनेद त्रिवाड़ी,सदस्यस्य चुनाव अधिकारी सुनील पार्कि व मुकेश शर्मा ने निर्वाचन की प्रक्रिया प्रारंभ की। इस दौरान कार्यक्रम का संचालन डॉ. लोकेश तिवारी ने किया। निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार सुबह 9 से 10 बजे तक नामांकन आवेदन प्रस्तुत किए गए। अध्यक्ष पद के लिए आठ प्रत्याशियों ने निर्वाचन अधिकारी के समक्ष अपने आवेदन प्रस्तुत किए। इसके बाद नामांकन पत्रों की जांच एवं वैध आवेदनों की सूची जारी करने की प्रक्रिया निर्धारित थी। छः प्रत्याशियों के नाम वासरी के बाद अंत में मौजूक सुल्तानिया व डी.के.दाधीच केवल दो नाम ही मैदान में रह गए। फिर वह दोपहर समाज के वरिष्ठजनों की समझाइश के बाद,समाजजित की सर्वोपरि रखते हुए सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से डी.के.दाधीच के नाम पर सम्मति जताई और उन्हें ट्रस्ट का निर्वाच्य अध्यक्ष घोषित किया गया। सर्वसम्मति से हुए इस निर्णय ने समाज में एकता की मिसाल पेस की। निर्वाचन प्रक्रिया के समापन पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने दाधीच का अध्यक्ष पद की शायप हिलाई। नवनिर्वाचित अध्यक्ष दाधीच ने समाज के सभी प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाजजनों ने उन जो जो विचारस जताया है, वे उस पर खरा उत्तर का पूरा प्रयास करेंगे। अपने कार्यक्रमों की सभी सजाई के प्रतिनिधियों का आशीर्वाद, सहयोग और मार्गदर्शन लेकर संगठन को नई गति प्रदान करना तथा उसे नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। इस शुभ अवसर पर उपस्थित समाजजनों ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष का माल्यार्पण कर अभिनंदन कर मुंह मीठा कराया व उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में छःन्यात ब्राह्मण समाज सहित विभिन्न समाजों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

किरण ने बिखेरा जीत का उजियारा, अब विकास की नई किरण बनने की बारी!

140 मतों से सरपंच बनीं किरण राठौड़, श्वसुर स्व. महेंद्र प्रताप सिंह राठौड़ की विकासवादी विरासत को आगे बढ़ाने की चुनौती

स्मार्ट हलचल

मेहरू कलां। ग्राम पंचायत मेहरू कलां में सरपंच पद के चुनाव परिणाम के साथ ही गांव की नई नेतृत्वकारी पारी की शुरुआत हो गई है। किरण राठौड़ ने अपने प्रतिद्वंद्वी को 140 मतों से पराजित कर सरपंच पद पर जीत दर्ज की। उनकी इस जीत के साथ ही गांव में विकास की उस विरासत को आगे बढ़ाने की उम्मीदें भी जुड़ गई हैं, जिसकी पहचान कभी उनके श्वसुर स्वर्गीय महेंद्र प्रताप सिंह राठौड़ के नाम से हुआ करती थी। महेंद्र प्रताप सिंह राठौड़ गांव में तीन बार सरपंच रह चुके थे और अपने निर्भीक व्यक्तित्व, बेबाक कार्यशैली तथा विकास के प्रति समर्पण के लिए पहचाने जाते थे। वहीं, किरण राठौड़ के पति चंद्रवीर सिंह राठौड़ भी उपसरपंच पद पर



अपनी जिम्मेदारी निभा चुके हैं। ऐसे में किरण की जीत केवल एक चुनावी सफलता नहीं, बल्कि गांव की राजनीति में एक ऐसे परिवार की विकास संबंधी विरासत से जुड़ी उम्मीदों का नया अध्याय भी है, जिसने पंचायत के नेतृत्व में अपनी भूमिका निभाई है। किरण राठौड़ के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती

मतदाताओं के भरोसे पर खरा उतरने की होगी। चुनाव में मिली जीत जहां उनके लिए सम्मान और गौरव का विषय है, वहीं यह जिम्मेदारी भी कम नहीं है कि वे गांव के लोगों की अपेक्षाओं को धरातल पर उतारें। ग्रामीण क्षेत्रों में सरपंच का पद केवल प्रशासनिक जिम्मेदारी तक सीमित नहीं रहता, बल्कि गांव की बुनियादी सुविधाओं, सामाजिक समस्याओं और विकास की दिशा तय करने में भी इसकी अहम भूमिका होती है। सड़क, नाली, पेयजल, स्वच्छता, रेशन, सरकारी योजनाओं का लाभ और जरूरतमंद परिवारों तक सहायता पहुंचाना ऐसे विषय हैं, जिन पर ग्रामीणों की निगाहें नए नेतृत्व पर टिकी रहती हैं। स्वर्गीय महेंद्र प्रताप सिंह राठौड़ का नाम मेहरू कलां में एक ऐसे सरपंच के रूप में लिया जाता रहा है, जिन्होंने

अपने कार्यकाल के दौरान विकास कार्यों को प्राथमिकता दी। तीन बार सरपंच रहने के अनुभव और निर्भीक कार्यशैली के चलते उनकी गांव में अलग पहचान बनी थी। उन्हें विकास कार्यों की चर्चा आज भी उनके समर्थकों और ग्रामीणों के बीच होती है। यही वजह है कि किरण राठौड़ की जीत के बाद अब गांव में यह सवाल भी चर्चा का विषय बन रहा है कि क्या वे अपने श्वसुर के पदचिह्नों पर चलते हुए उसी विकासवादी परंपरा को आगे बढ़ा पाएंगी? किरण के पति चंद्रवीर सिंह राठौड़ का उपसरपंच के रूप में अनुभव भी पंचायत के कामकाज को समझने में सहायक हो सकता है। हालांकि, पंचायत की जिम्मेदारी संभालने के बाद किरण की अपनी कार्यशैली, निर्णय क्षमता और

ग्रामीणों के प्रति व्यवहार ही उनकी वास्तविक पहचान तय करेंगे। लोकतांत्रिक व्यवस्था में विरासत रास्ता दिखा सकती है, लेकिन जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए निरंतर काम करना पड़ता है। ऐसे में किरण के सामने अपने परिवार की राजनीतिक पहचान को आगे बढ़ाने के साथ-साथ अपनी अलग पहचान स्थापित करने का भी अवसर है। गांव की राजनीति में चुनावी जीत का उत्साह कुछ दिनों में सामान्य हो जाता है, लेकिन विकास कार्यों का असर लंबे समय तक लोगों की जिंदगी में दिखाई देता है। ग्रामीणों को उम्मीद रहेगी कि नई सरपंच गांव की समस्याओं को प्राथमिकता देंगी, आमजन की सुनवाई सुनिश्चित करेंगी और विकास कार्यों में पारदर्शिता तथा नियुक्तता को महत्व देंगी। गांव के प्रत्येक व्यक्ति को साथ

लेकर चलना, आपसी मतभेदों से ऊपर उठकर निर्णय लेना और सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना किसी भी सफल सरपंच की पहचान मानी जाती है। 140 मतों से मिली जीत ने किरण राठौड़ को गांव की सेवा का अवसर दिया है। अब देखना यह होगा कि वे इस जनादेश को विकास के संकल्प में किस तरह बदलती हैं। क्या मेहरू कलां को फिर निर्भीक नेतृत्व और विकास कार्यों की नई पहचान मिलेगी? क्या किरण अपने श्वसुर स्वर्गीय महेंद्र प्रताप सिंह राठौड़ की विकासवादी विरासत को आगे बढ़ाते हुए गांव की उम्मीदों पर खरी उतरेंगी? इन सवालों का जवाब आने वाला समय और उनके कार्यकाल में होने वाले काम देंगे। फिलहाल, जीत का सेहरा किरण के सिर बंध चुका है और अब ग्रामीणों की निगाहें उनके कार्यों पर रहेंगी।

सास बहू सरपंच की दौड़ से पीछे, गुरला गढ़ से हिंगलाज कंवर 267 वोटों से विजय - हेलमेट चुनाव चिन्ह क्रमांक 8 की ऐतिहासिक जीत

स्मार्ट हलचल

ग्राम पंचायत गुरला के इतिहास में आज एक नया अध्याय जुड़ गया। ग्राम पंचायत चुनाव 2024 की मतगणना के बाद सास-बहू के बीच मानी जा रही कड़ी टक्कर को पीछे छोड़ते हुए गुरला गढ़ की बेटी हिंगलाज कंवर राजावत ने 267 वोटों के बड़े अंतर से ऐतिहासिक जीत हासिल की है। हेलमेट चुनाव चिन्ह, क्रमांक 8 पर लड़ी हिंगलाज कंवर को गांव की जनता ने अपना भरपूर आशीर्वाद दिया। सुबह से ही मतगणना स्थल पर भारी भीड़ थी। पहले राउंड से ही हिंगलाज कंवर ने बढ़त बनाई जो आखिरी राउंड तक बरकरार रही। जैसे ही अंतिम राउंड में 267 वोटों के अंतर से जीत की घोषणा हुई, पूरे गुरला गढ़ में जश्न का माहौल बन गया। समर्थकों ने फूल-मालाएं पहनाकर, ढोल-नगाड़ों के साथ विजयी जुलूस निकाला। गली-गली में पटाखे फोड़े गए, महिलाओं ने मंगल गीत गाए। ग्रामीणों के अनुसार इस बार चुनाव का मुख्य मुद्दा विकास, पानी, सड़क, शिक्षा और महिला सशक्तिकरण था। सास-बहू दोनों ही सरपंच पद की दौड़ में थीं, जिससे मुकाबला काफी दिलचस्प हो गया था। लेकिन अंत में जनता ने युवा सोच, ईमानदारी और विकास के वादे पर भरोसा जताते हुए हिंगलाज कंवर को चुना। हिंगलाज कंवर ने जीत के बाद कहा - 'ये जीत मेरी अकेली की नहीं, पूरे गुरला गढ़ की जनता की जीत है। 267 वोटों का ये प्यार मेरे लिए कर्ज है, जिसे मैं गांव के विकास से चुकाऊंगी। मेरा पहला काम गांव की हर ठाणी में पानी, हर गली में रेशनी और हर बच्चे के लिए शिक्षा सुनिश्चित करना होगा। सास-बहू की लड़ाई नहीं, ये गांव की बेटी की जीत है।' उनके पति और परिवार ने भी जनता का आभार जताया। समर्थकों का कहना है कि हेलमेट निशान इस बार सुरक्षा और विकास का प्रतीक बन गया था। क्रमांक 8 लोगों की जुबान पर था हेलमेट वाला बटन दबाओ, गुरला का भविष्य बनाओ गांव के बुजुर्गों ने कहा बहुत सालों बाद ऐसी एकतरफा जीत देखी। 267 वोट छोटा अंतर नहीं, ये जनता का स्पष्ट पनादेश है। ' मतगणना के बाद से ही बधाई देने वालों का तांता लगा है। पंचायत के सभी वार्डों से लोग हिंगलाज कंवर के घर पहुंचकर बधाई दे रहे हैं। शाम को विजय सभा का आयोजन किया जाएगा जिसमें आगे की विकास योजना पर चर्चा होगी। यह जीत न सिर्फ एक चुनाव परिणाम है, बल्कि गुरला गढ़ में महिला नेतृत्व, युवा सोच और लोकतंत्र की मजबूत जीत का प्रतीक है।



रायला में विमला देवी सोमानी ने फिर दर्ज की जीत, ग्रामीणों को विकास की उम्मीद

पूर्व अनुभव के साथ नई पारी, सड़क-पानी और स्वच्छता की चुनौतियों पर रहेगी निगाहें

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। सरपंच पद पर विमला देवी सोमानी की दोबारा जीत के साथ रायला ग्राम पंचायत में एक बार फिर उनके नेतृत्व पर भरोसा जताया गया है। पूर्व में भी सरपंच की जिम्मेदारी संभाल चुकीं सोमानी के सामने अब गांव की बुनियादी समस्याओं के समाधान और विकास कार्यों को गति देने की चुनौती होगी। ग्रामीणों की उम्मीदें सड़क, पेयजल और स्वच्छता जैसी सुविधाओं में सुधार पर टिकी हैं। वहीं, देर रात तक चली मतगणना के दौरान सरपंच के साथ वार्ड पंचों के परिणामों को लेकर भी समर्थकों में उत्सुकता बनी रही। जैसे-जैसे परिणाम सामने आते गए, वैसे-वैसे समर्थकों में



उत्साह बढ़ता गया। मतगणना स्थल के आसपास चुनावी नतीजों को लेकर चर्चाओं का दौर चलता रहा। देर रात मतगणना पूरी होने के साथ ही चुनावी तस्वीर स्पष्ट हो गई। विमला देवी सोमानी इससे पहले भी रायला ग्राम पंचायत की सरपंच रह चुकी हैं। पंचायत के कामकाज का उनका पूर्व अनुभव अब नई पारी में अहम माना जा रहा है। दोबारा जिम्मेदारी मिलने के

बाद उनके सामने ग्रामीणों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने और गांव की जरूरतों के अनुरूप विकास कार्य करवाने की चुनौती होगी। गांव में सड़कों का विकास, पेयजल व्यवस्था में सुधार, साफ-सफाई और अन्य मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता ग्रामीणों की प्रमुख अपेक्षाओं में शामिल हैं। अब नई पंचायत के कार्यकाल में इन मुद्दों पर होने वाले कामकाज पर लोगों की निगाहें रहेंगी। स्थानीय समस्याओं का समयबद्ध समाधान करना और विकास कार्यों को गति देना भी महत्वपूर्ण रहेगा। ग्रामीणों को उम्मीद है कि सरपंच विमला देवी सोमानी आमजन की समस्याओं को सुनकर प्राथमिकता के आधार पर उनका समाधान करवाएंगी। अब उनके कार्यकाल में गांव के विकास को लेकर उठाए जाने वाले कदमों से यह तय होगा कि ग्रामीणों की अपेक्षाएं किस हद तक पूरी हो पाती हैं।

पंचायत चुनाव की तैयारियों में लापरवाही नहीं चलेगी, मतदाता पंजीकरण में लाएं तेजी

जिला निर्वाचन अधिकारी कमल राम मीना ने ली समीक्षा बैठक, मतदान केंद्रों पर पेयजल, रेशमी और बुजुर्गों व विशेष योग्यजन के लिए सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश

स्मार्ट हलचल । अनिल खींची

ब्यावर। पंचायत आम चुनाव-2026 की तैयारियों को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी वंजिला कलहंटर कमल राम मीना ने रविवार को जिला कलेक्ट्रेट के नवीन वीसी हॉल में अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में विधानसभा मतदाता सूची के अद्यतन, 18 से 19 वर्ष आयु वर्ग के नए मतदाताओं के पंजीकरण तथा फॉर्म संख्या-6 की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने पात्र युवाओं का नाम मतदाता सूची में जोड़ने के कार्य में तेजी लाने तथा फॉर्म संख्या-6 से संबंधित लंबित कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची को अद्यतन रखने के साथ निर्वाचन से जुड़ी सभी प्रक्रियाएं निर्धारित समय सीमा में पूरी की जाएं।



मतदान केंद्रों पर सुविधाओं का होगा भौतिक सत्यापन पंचायत चुनाव की तैयारियों की समीक्षा करते हुए मीना ने सभी मतदान केंद्रों पर पेयजल, रेशमी सहित आवश्यक मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने विशेष योग्यजन एवं वृद्ध मतदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जरूरी व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी रिटर्निंग अधिकारियों एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र के मतदान केंद्रों का अनिवार्य रूप से भौतिक सत्यापन कर उपलब्ध सुविधाओं और आवश्यक व्यवस्थाओं की

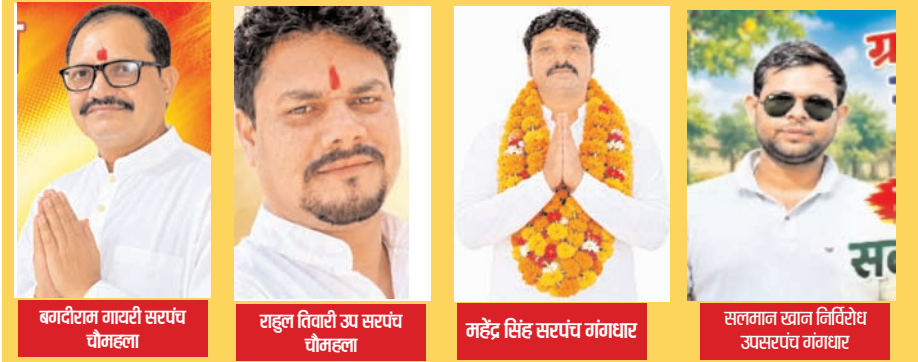
रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। साथ ही निर्वाचन संबंधी सभी तैयारियां समय पर पूर्ण करने तथा अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी ब्रह्मलाल जाट, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी धनवान देवा, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी, उपखंड अधिकारी, तहसीलदार सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

चौमहला में बगदीराम गायरी तो गंगधार में महेंद्र सिंह जोधाना बने सरपंच चौमहला में 701 तो गंगधार में 1440 मतों से जीत,

चौमहला में राहुल तिवारी उपसरपंच निर्वाचित; गंगधार में सलमान खान निर्विरोध चुने गए

स्मार्ट हलचल

चौमहला पंचायती राज चुनाव में चौमहला और गंगधार कस्बे में सरपंच पद के चुनाव परिणाम घोषित होने के साथ ही नई पंचायत का गठन हो गया। चौमहला में बगदीराम गायरी ने सरपंच पद पर जीत दर्ज की, वहीं गंगधार में महेंद्र सिंह जोधाना सरपंच निर्वाचित हुए। चुनाव परिणामों के बाद रिजयी प्रत्याशियों के समर्थकों में उत्साह नजर आया। चौमहला में बगदीराम



गायरी 701 मतों से विजयी हुए उन्होंने कुल 2367 मत प्राप्त कर जीत हासिल की।

तथा अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी डॉ. नरेंद्र पारकर को 701 मतों से पराजित किया।

डॉ. नरेंद्र पारकर को कुल 1666 मत प्राप्त हुए।

गंगधार में महेंद्र सिंह जोधाना की बड़ी जीत गंगधार कस्बे में सरपंच पद के चुनाव में महेंद्र सिंह जोधाना ने शानदार जीत दर्ज की। उन्हें कुल 1869 मत प्राप्त हुए, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी राजेश नीमा को 429 मत मिले। महेंद्र सिंह जोधाना ने 1440 मतों के भारी अंतर से जीत हासिल की।

उपसरपंच चुनाव में चौमहला से राहुल तिवारी विजयी रविवार को हुए उपसरपंच चुनाव में चौमहला में राहुल तिवारी उपसरपंच निर्वाचित हुए। वहीं गंगधार में सलमान खान निर्विरोध उपसरपंच चुने गए। चौमहला में वार्ड 1 से महेश नावक, वार्ड 2

से सचिन पासी, वार्ड 3 से मनोज कसेरा, वार्ड 4 से यशोदा अनिल वर्मा, वार्ड 5 से जितु टेलर, वार्ड 6 से मंजु लक्ष्मि पटेल, वार्ड 7 से लीना सोनु दुबे, वार्ड 8 से दीपक बैरागी, वार्ड 9 से पूजा समर्थ पोखवाल, वार्ड 10 से राहुल तिवारी, वार्ड 11 से जयप्रकाश मीना, वार्ड 12 से प्रकाश विश्वकर्मा, वार्ड 13 से शिव वार्ड मीना, वार्ड 14 से अंशुल राठौड़, वार्ड 15 से भारत बाई कान्हा विश्वकर्मा, वार्ड 16 से शमा बाई निखिल पिच्छोलिया, वार्ड 17 से मनोनी पासी, वार्ड 18 से लीला बाई (मुकेश शर्मा) तथा वार्ड 19 से राजी बाई बगदीराम विजयी रहे। इस प्रकार चौमहला और गंगधार में सरपंच एवं उपसरपंच चुनाव के परिणाम घोषित होने के साथ ही स्थानीय पंचायतों की नई टीम सामने आ गई है।

बिना संघर्ष किए अधिकार नहीं मिलते, श्रमिकों को एकजुट होकर लड़नी होगी लड़ाई : भंवर सिंह शेखावत

सीटू के जिला सम्मेलन में श्रमिकों के शोषण, न्यूनतम वेतन और श्रम कानूनों पर उठी आवाज,

दिसंबर में दिल्ली में होगा देशव्यापी विरोध प्रदर्शन

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा भारतीय ट्रेड यूनियन केंद्र (सीटू) का जिला सम्मेलन रविवार को संत कंवर राम धर्मशाला में आयोजित हुआ। सम्मेलन की अध्यक्षता साथी आरके स्वामी ने की। सम्मेलन में श्रमिकों के अधिकारों, न्यूनतम वेतन, श्रम कानूनों में बदलाव और बढ़ते निजीकरण को लेकर केंद्र एवं राज्य सरकारों की नीतियों पर सवाल उठाए गए। वक्ताओं ने कहा कि श्रमिकों को अपने अधिकार हासिल करने के लिए संगठित होकर संघर्ष करना होगा, क्योंकि बिना संघर्ष के अधिकार नहीं मिलते। सम्मेलन में सीटू के प्रदेश अध्यक्ष भंवर सिंह शेखावत ने श्रमिकों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में श्रमिकों के सामने अपने अधिकारों की रक्षा करना सबसे बड़ी चुनौती है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की नीतियां श्रमिकों के हितों के विपरीत हैं और श्रमिकों के शोषण का रास्ता



खोल रही हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाएं प्रत्येक नागरिक को सुलभ होनी चाहिए, लेकिन इन क्षेत्रों में निजीकरण को बढ़ावा दिए जाने से आम जनता और श्रमिक वर्ग प्रभावित हो रहा है। शेखावत ने श्रमिकों के न्यूनतम वेतन का मुद्दा उठाते हुए कहा कि वर्तमान महंगाई को देखते हुए एक श्रमिक को कम से कम 42 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन मिलना चाहिए, ताकि वह अपने परिवार का समुचित भरण-पोषण कर सके। उन्होंने मौजूदा न्यूनतम वेतन को

अप्यास बताते हुए कहा कि इतनी कम राशि में परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करना मुश्किल है। उन्होंने श्रमिकों के हड़ताल करने के अधिकारों पर प्रतिबंधों, ठेका प्रथा और श्रमिकों के हितों की अनदेखी पर भी चिंता जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए बनाए गए 29 श्रम कानूनों को समाप्त कर उनकी जगह श्रम सहिताएं लागू करने से श्रमिकों के अधिकार प्रभावित हुए हैं। ठेका श्रमिकों के शोषण की स्थिति में जिम्मेदारी तय

करने और निर्माण श्रमिकों की कल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से संचालित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि श्रमिकों की समस्याओं के समाधान के लिए संगठन की एकता और सामूहिक संघर्ष जरूरी है। सम्मेलन में अध्यक्षता करते हुए आरके स्वामी ने कहा कि संगठन की एकता बनाए रखने के लिए श्रमिकों का संगठित रहना आवश्यक है। अपने अधिकारों की रक्षा करने और शोषण के खिलाफ आवाज बुलंद करने के लिए एकजुटता ही सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने श्रमिकों से संगठन को मजबूत बनाने और अपने हक की लड़ाई में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। सम्मेलन में आगामी आंदोलन की रणनीति पर चर्चा करते हुए बताया गया कि श्रमिकों की विभिन्न मांगों को लेकर 1 से 3 दिसंबर तक दिल्ली के रामलीला मैदान में बड़ा विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इसके लिए भीलवाड़ा जिले से 100 श्रमिकों को दिल्ली ले जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। सम्मेलन में उपस्थित श्रमिक साधियों

ने इस निर्णय पर सहमति जताई। इस दौरान राजीविका, वुनकर, मिड-डे मील तथा टेक्सटाइल क्षेत्र से जुड़े श्रमिकों की समस्याओं और संगठनात्मक गतिविधियों पर भी चर्चा हुई। राजीविका से जुड़ी अनीता कंवर, टीना कंवर, सरिता, शमीम बानो और हेमलता गर्ग सहित अन्य श्रमिक प्रतिनिधि उपस्थित रहे। मिड-डे मील श्रमिक यूनियन अध्यक्ष सोनू शर्मा तथा संत कंवर राम ट्रस्ट के सचिव ईश्वर आसनानी विशेष आगमिति सदस्य के रूप में मौजूद रहे। टेक्सटाइल क्षेत्र से गणेश गहलोत, संपत शर्मा, सद्दाम हुसैन, करण सिंह, राजावत, बबलू सिंह, अनार सिंह, जोना बानो, विमला देवी बिश्नोई, भंनरी देवी बिश्नोई और सुरेंद्र बिश्नोई सहित बड़ी संख्या में श्रमिकों ने भाग लिया। सम्मेलन का संचालन सीटू के प्रदेश सचिव ओमप्रकाश देवानी ने किया।

समय पर नहर का पानी नहीं मिलने से रबी की फसल प्रभावित, कर्ज के बोझ तले दब रहे किसान

स्मार्ट हलचल

लाखेरी - देईखेड़ा ईआरसीपी परियोजना से टेल क्षेत्र के किसानों को सिंचाई का पानी दिलाने की मांग को लेकर रविवार को किसान एकता संघर्ष समिति टेल क्षेत्र के बैनर तले भैरूजी के बाग में किसान महासभा का आयोजन हुआ। इसमें टेल क्षेत्र के 19 गांवों के किसानों ने भाग लिया और अपनी समस्याएं रखते हुए परियोजना का पानी अंतिम छोर तक पहुंचाने की मांग उठाई। महासभा में किसानों ने कहा कि क्षेत्र से होकर ईआरसीपी परियोजना की नहरें गुजर रही हैं, लेकिन टेल क्षेत्र के किसानों को समय पर सिंचाई का पानी नहीं मिल पा रहा है। इसके चलते किसानों को खेती करने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खासकर रबी की फसल के समय नहरों में पर्याप्त पानी नहीं मिलने से फसल प्रभावित होती है। किसानों को सिंचाई के लिए वैकल्पिक साधनों का सहारा लेना पड़ता है, जिससे खेती की लागत बढ़ जाती है। वहीं, फसल से उचित उपपान नहीं मिलने के कारण किसान आर्थिक



संकट में फंस रहे हैं और कर्ज के बोझ तले दबते जा रहे हैं। महासभा में बड़ाखेड़ा, लबान, गुहाटा, कोटा खुर्द, माखोड़ा, बड़हावली, खाखटा, बगोली, पोपलदाथाग, सामरा, बंसवाड़ा, कांकरा मेज, पाली, करीरिया, पापड़ी, जाडला, रामगंज, लबान स्टेशन और खरायता गांवों के किसान शामिल हुए। किसानों ने एकजुट होकर टेल क्षेत्र तक सिंचाई का पानी पहुंचाने की मांग रखी।

लाकसरभा अध्यक्ष सहित जिम्मेदार अधिकारियों को सौंपेंगे जापन

किसानों में किसानों ने निर्णय लिया कि टेल क्षेत्र में सिंचाई के पानी की समस्या के समाधान के लिए किसानों का प्रतिनिधिमंडल लोकसभा अध्यक्ष ओम बिस्मल, राजस्थान सरकार के जल संसाधन मंत्री और ईआरसीपी परियोजना के निदेशक को जापन सौंपेगा। प्रतिनिधिमंडल के माध्यम से

किसानों की समस्याओं से जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को अवगत कराया जाएगा तथा टेल क्षेत्र तक नहर का पानी पहुंचाने की मांग रखी जाएगी।

29 नवंबर को गुहाटा हेड पर होगी अगली महासभा

किसानों ने आंदोलन को आगे बढ़ाने और समस्या के समाधान के लिए आगामी रणनीति तय करने के उद्देश्य से 29 नवंबर को गुहाटा हेड पर किसान महासभा आयोजित करने का निर्णय लिया। इसमें टेल क्षेत्र के किसानों की समस्याओं पर चर्चा कर आगे की रणनीति बनाई जाएगी। किसानों का कहना है कि जब तक टेल क्षेत्र के खेतों तक पर्याप्त पानी पहुंचाने की व्यवस्था नहीं होती, तब तक उनकी मांग को लेकर प्रयास जारी रहेंगे।

कोटड़ी में नरपत सिंह शक्तावत की ऐतिहासिक जीत, 2261 मतों से बने सरपंच

4012 वोट हासिल कर निकटतम प्रतिद्वंद्वी निर्मल लोढ़ा को हराया, भाजपा के घोषित प्रत्याशी की बड़ी हार के बाद सियासी समीकरणों पर चर्चा तेज

सर्वसम्मति से नीतू रेगर बनी उप सरपंच

स्मार्ट हलचल

कोटड़ी पंचायत समिति की सबसे बड़ी व मुख्यालय की ग्राम पंचायत कोटड़ी के सरपंच पद के चुनाव परिणाम ने क्षेत्र की राजनीति में नई चर्चा छेड़ दी है। सरपंच पद के काँग्रेस समर्थित प्रत्याशी नरपत सिंह शक्तावत ने 4012 मत हासिल कर शानदार जीत दर्ज की। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा समर्थित प्रत्याशी निर्मल लोढ़ा को 2261 मतों के बड़े अंतर से पराजित किया। परिणाम घोषित होते ही समर्थकों में उत्साह देखने को मिला और नवनिर्वाचित सरपंच को बधाई देने का सिलसिला शुरू हो गया। मतगणना के आंकड़ों के अनुसार नरपत



सिंह शक्तावत को 4012, निर्मल लोढ़ा को 1751, सुदर्शन पाल डागा को 640 और विष्णु वैष्णव को 100 मत प्राप्त हुए। इस प्रकार कुल 6982 मतों में शक्तावत सबसे आगे रहे। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी के मुकाबले 2261 मत अधिक प्राप्त कर सरपंच पद पर जीत दर्ज की।



भाजपा के घोषित प्रत्याशी की हार बनी चर्चा का विषय चुनाव परिणाम के बाद स्थानीय राजनीतिक गलियारों में जहाजपुर विधायक गोपी चन्द मीणा के द्वारा भाजपा के घोषित सरपंच प्रत्याशी निर्मल लोढ़ा की हार को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

स्थानीय स्तर पर इसे भाजपा के भीतर की गुटबाजी और आपसी समीकरणों से जोड़कर भी देखा जा रहा है। हालांकि, इस संबंध में किसी गुट की भूमिका को लेकर स्वतंत्र पुष्टि सामने नहीं आई है। राजनीतिक चर्चाओं में इस बात पर भी ध्यान दिया जा रहा है कि पार्टी के घोषित प्रत्याशी को इतने बड़े अंतर से हार का सामना क्यों करना पड़ा। समर्थकों और स्थानीय राजनीतिक कार्यकर्ताओं के बीच चुनावी रणनीति, मतदाताओं के रुझान तथा स्थानीय समीकरणों को लेकर अलग-अलग आकलन किए जा रहे हैं। चुनाव परिणाम ने कोटड़ी में भाजपा की स्थानीय राजनीति और संगठनात्मक स्थिति को लेकर भी सवाल खड़े किए हैं। पंचायत समिति सदस्य के परिणाम पर भी नजर कोटड़ी क्षेत्र में पंचायत समिति सदस्य के चुनाव परिणाम को लेकर भी राजनीतिक

चर्चाएं जारी हैं। स्थानीय भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रहलाद सेन की भूमिका और चुनावी नतीजों के प्रभाव को लेकर भी चर्चाएं हो रही हैं। सरपंच चुनाव के परिणाम के बाद अब पंचायत समिति सदस्य के चुनाव में भाजपा मण्डल अध्यक्ष प्रहलाद सेन भाजपा प्रत्याशी के रूप में अपना भाग्य आजमा रहे हैं। सरपंच के नतीजे को स्थानीय राजनीतिक समीकरणों के लिहाज से देखा जा रहा है। हालांकि, इन चर्चाओं के आधार पर किसी व्यक्ति की भूमिका या जिम्मेदारी को लेकर निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगा। विकास और मंदिर को पर्यटन स्थल बनाने का लक्ष्य सरपंच के चुनाव जीत के बाद अब ग्रामीणों की निगाहें नवनिर्वाचित सरपंच नरपत सिंह शक्तावत पर टिकी हैं। चुनाव के दौरान गांव के विकास और क्षेत्र के

धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व को आगे बढ़ाने जैसे मुद्दे चर्चा में रहे। शक्तावत ने गांव के विकास के साथ मंदिर को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का लक्ष्य बताया है। ग्रामीणों को उम्मीद है कि नई पंचायत के कार्यकाल में सड़क, सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े कार्यों को गति मिलेगी। मंदिर को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की दिशा में पहल होने पर क्षेत्र की पहचान को बढ़ावा मिलने के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार और आर्थिक गतिविधियों के अवसर भी पैदा हो सकते हैं। कोटड़ी के सरपंच चुनाव का यह परिणाम जहां नरपत सिंह शक्तावत के लिए नई जिम्मेदारी लेकर आया है। वहीं स्थानीय राजनीति में भी नई बहस का विषय बन गया है। अब देखना होगा कि नवनिर्वाचित सरपंच ग्रामीणों की अपेक्षाओं पर कितना खरा उतरते हैं और

विकास के मुद्दों पर किस तरह काम आगे बढ़ाते हैं। जीत के बाद प्रभु के डर पर टेका माथा नव निर्वाचित सरपंच नरपत सिंह शक्तावत ने जीत हासिल करने के साथ ही सुबह 5 बजे समर्थकों ने जयकारों के साथ प्रभु श्री चारभुजानाथ के दर पहुंच कर मत्स्या टेक कर मंगल कामना की। सर्वसम्मति से नीतू रेगर बनी उप सरपंच ग्राम पंचायत कोटड़ी के सरपंच पद पर नरपत सिंह शक्तावत तथा वाई पंचों की सर्वसम्मति से शनिवार को वाई पंच नीतू बैरवा का आवेदन किया गया। वाई पंचों की सहमति से बैरवा को उपसरपंच मनोनीत कर शपथ दिलाई गई। उपसरपंच के मनोनयन होने के बाद पंचायतराज का पहला चरण पूरा हो गया। साथ ही पंचायत समिति सदस्य व जिला परिषद सदस्य के चुनाव परिणाम पर निगाहे टिकी हुई है।

शरद पूर्णिमा पर चंद्रमा की आभा में निखरा बांकेबिहारी का दिव्य स्वरूप धवल पोशाक और रजत श्रृंगार से सजे ठाकुरजी, मध्यरात्रि तक दर्शनों के लिए उमड़े श्रद्धालु

स्मार्ट हलचल । अनिल खींची

ब्यावर। सूरजपोल गेट के बाहर स्थित बांकेबिहारी मंदिर में शरद पूर्णिमा के अवसर पर ठाकुर बांकेबिहारी का मनमोहक एवं दिव्य श्रृंगार किया गया। शशिधवल चान्दनी के अनुरूप ठाकुरजी को नवीन श्वेत पोशाक धारण कराई गई। श्वेत पिछवाई, रजत छत्र और चांदी की पताकाओं से सजी ठाकुरजी की युगल छवि श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रही। चंद्रमा की शीतल आभा में ठाकुरजी का अलौकिक स्वरूप ऐसा प्रतीत हो रहा था, मानो स्वयं चंद्रदेव अमृतवर्षा करने गर्भगृह में उतर आए हों। मंदिर दूरट के अध्यक्ष माणक डाणी ने बताया कि शरद पूर्णिमा पर ठाकुरजी का सर्वज्ञ धवल श्रृंगार किया गया। पंडित जितेंद्र दाधीच के सान्निध्य में गर्भगृह को सफेद सजावटी सामग्री से आकर्षक रूप दिया गया। मंदिर की साज-सज्जा और धवल आभा ने केलाशा पर्वत की दिव्य छटा का एहसास कराया। ठाकुरजी के इस नयनाभिराम स्वरूप के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। भक्तों ने देर रात मध्यरात्रि तक दर्शन कर भगवान का आशीर्वाद लिया। शरद पूर्णिमा की चान्दनी में सजी ठाकुरजी की मनोहारी छवि ने पूरे मंदिर परिसर को भक्तिमय बना दिया।



एपीआरओ सुरेन्द्र मीणा पदोन्नत होकर बने जनसंपर्क अधिकारी

पत्रकारों ने जनसंपर्क कार्यालय में किया स्वागत, सहायक निदेशक वीर सेन को जन्मदिन पर दी शुभकामनाएं

स्मार्ट हलचल

सवाई माधोपुर । जिला सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय सवाई माधोपुर में पदस्थापित सहायक जनसंपर्क अधिकारी सुरेन्द्र मीणा पदोन्नत होकर जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) बन गए हैं। मीणा राजस्थान जनसंपर्क सेवा के वर्ष 2022 बैच के अधिकारी हैं। पदोन्नति के बाद फिलहाल उन्हें सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय सवाई माधोपुर में ही पदस्थापित रखा गया है। सुरेन्द्र मीणा के जनसंपर्क अधिकारी बनने पर शुक्रवार को पत्रकारों ने सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय में उनका माल्यार्पण कर स्वागत किया और पदोन्नति पर बधाई दी। इस अवसर पर सहायक निदेशक सूचना एवं जनसंपर्क वीर सेन को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनका भी माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार राजेश शर्मा, नरेन्द्र भारद्वाज, राजेश गोयल, राजमल जैन, हर्क चंद जैन, अभिमन्यु, अभिनव अग्रवाल, प्यारे लाल भाड़ोती, उमाशंकर मलारना चौड़, मुकेश जैन, के पी सिंह, गजानंद शर्मा, राजेश शर्मा अमर झंडिया,सहित चुनाव प्रकोष्ठ में कार्यरत अधिकारी-कर्मचारी एवं जनसंपर्क कार्यालय के कार्मिक उपस्थित रहे।

शरद पूर्णिमा पर कटूमर में निकली भगवान श्रीकृष्ण की रथयात्रा, श्रद्धालुओं ने लगाई कस्बे की परिक्रमा

बैंड-बाजे और डीजे की धुन पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, महिला-पुरुषों ने सामूहिक रूप से पूरी की परिक्रमा

स्मार्ट हलचल

कटूमर। कस्बे में शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर प्रतिवर्ष की भांति इस बार भी धार्मिक श्रद्धा और उत्साह के साथ पूरे कस्बे की परिक्रमा लगाई गई। परिक्रमा में महिला और पुरुष श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से भाग लिया। इस दौरान भगवान श्रीकृष्ण की रथयात्रा निकाली गई। बैंड-बाजे और डीजे की भक्तिमय धुनों के बीच निकली यात्रा से कस्बे का माहौल धर्ममय हो गया। श्रद्धालु भक्ति भाव के साथ परिक्रमा में शामिल हुए और भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों से वातावरण गुंजायमान रहा। शरद पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित इस धार्मिक परंपरा का कस्बे में विशेष महत्व है। हर वर्ष इस दिन श्रद्धालु एकत्र होकर पूरे गांव की परिक्रमा करते हैं। इस आयोजन में महिला और पुरुषों की सामूहिक भागीदारी सामाजिक एकता, धार्मिक आस्था और आपसी भाईचारे का संदेश देती



है। भगवान श्रीकृष्ण की रथयात्रा परिक्रमा का मुख्य आकर्षण रही। श्रद्धालुओं ने रथयात्रा में शामिल होकर भगवान के प्रति अपनी श्रद्धा और उल्लास से जोड़कर देखा जाता है। भगवान श्रीकृष्ण की आराधना और रासलीला की परंपरा के कारण भी इस पूर्णिमा का विशेष महत्व है। अनेक स्थानों पर श्रद्धालु रात्रि में पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं। कटूमर में निकाली गई

परिक्रमा इसी धार्मिक आस्था और परंपरा का प्रतीक रही। महिला-पुरुषों ने मिलकर पूरे कस्बे की परिक्रमा कर धार्मिक आयोजन में सहभागिता निभाई। बैंड-बाजे और डीजे के साथ आगे बढ़ती रथयात्रा ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इस आयोजन के माध्यम से लोगों ने अपनी धार्मिक परंपराओं को जीवंत रखने और नई पीढ़ी तक संस्कार पहुंचाने का संदेश दिया। शरद पूर्णिमा पर हर वर्ष आयोजित होने वाली यह परिक्रमा कटूमर की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। सामूहिक रूप से आयोजित इस कार्यक्रम में श्रद्धालुओं की भागीदारी ने आस्था, एकजुटता और परंपरा के प्रति लोगों के जुड़ाव को दर्शाया।

उनियारा में स्वयंसेवकों ने निकाला विराट पथ संचलन-घोष की स्वर लहरियों पर कदम से कदम मिलाकर चले स्वयंसेवक

स्मार्ट हलचल

टोंक/उनियारा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से उनियारा शहर में विराट पथ संचलन का आयोजन किया गया। पथ संचलन में सैकड़ों स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में हाथों में भुजदंड लेकर संघ के घोष की स्वर लहरियों के साथ शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरे। इस दौरान शहरवासियों एवं विभिन्न संगठनों ने स्वागत द्वार बनाकर तथा वंदे मातरम् के जयघोष के साथ पुष्पवर्षा कर पथ संचलन का स्वागत किया। वहीं, मातृशक्ति ने जयघोष लगाकर स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन किया। प्रमुख मार्गों को आकर्षक रंगोलियों से सजाया गया, जो लोगों के आकर्षण का केंद्र रहीं। कार्यक्रम में बौद्धिक



वाचन प्रांत के पर्यावरण संयोजक रामप्रकाश विजय ने किया। उन्होंने कहा कि संगठित, संस्कारवान एवं समरस समाज की शुरुआत प्रत्येक व्यक्ति और परिवार से होती है। राष्ट्र को सर्वोपरि रखते हुए निस्वार्थ भाव से कार्य करने वाले व्यक्तियों का निर्माण

आवश्यक है। उन्होंने कहा कि संघ के पास युवा मन, संगठन के संस्कार और राष्ट्र के प्रति समर्पण का भाव है। संघ अपनी मूल संगठनात्मक संस्कृति के कारण किशोरों एवं युवाओं से सहजता के साथ संवाद स्थापित कर पाता है। पथ संचलन में खंड घोष ने प्रमुख दीमांशु जागिड़ के नेतृत्व में घोष वादन आकर्षण का केंद्र रहा। घोष की विभिन्न रचनाओं के साथ स्वयंसेवक कदम से कदम मिलाकर अनुशासित ढंग से आगे बढ़ते नजर आए। घोष वादन की सुमधुर धुनों और वादकों के उत्साह ने शहरवासियों का मन मोह लिया। घोष दल में युवाओं से लेकर बालकों तक ने भागीदारी निभाई। पथ संचलन गढ़ पैलेस पर प्रारंभ होकर खतौली गेट, बंदे की

बारी, राजकुमारों की बारी, कटला गेट, कुशवाह मोहल्ला, गोता भवन, सदर बाजार, न्यू मार्केट, सरदार सर्फेल एवं बस स्टैंड होते हुए जैन नसिया पहुंचा। पूरे मार्ग में स्वयंसेवकों की एकजुटता और अनुशासन दिखाई दिया। विभिन्न स्थानों पर लोगों ने पुष्पवर्षा कर पथ संचलन का स्वागत किया। पथ संचलन के दौरान पदाधिकारियों ने स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन किया। आयोजन के चलते शहर का माहौल उत्सवमय और राष्ट्रभक्ति से सराबोर नजर आया। इसमें उनियारा खंड के विभिन्न पदाधिकारी एवं स्वयंसेवक मौजूद रहे। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए उनियारा पुलिस का जासा भी पथ संचलन के साथ मौजूद रहा।

कटूमर पंचायत समिति की 50 ग्राम पंचायतों में सरपंचों के नाम घोषित, कहीं महिला तो कहीं पुरुष प्रत्याशियों ने दर्ज की जीत

नवनिर्वाचित सरपंच भाग्यवती सिंह मुकेश सिंह चौहान ने तसई में फहराया परचम

स्मार्ट हलचल

कटूमर। कटूमर पंचायत समिति क्षेत्र की 50 ग्राम पंचायतों में सरपंच पद के चुनाव परिणाम सामने आने के बाद विजयी प्रत्याशियों के नामों की सूची तैयार की गई है। चुनाव में जीत दर्ज करने वाले प्रत्याशी अब अपने-अपने गांवों में पंचायती राज व्यवस्था के तहत विकास कार्यों को गति देने, ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा आमजन की समस्याओं के समाधान की जिम्मेदारी संभालेंगे। ग्राम पंचायतों में निर्वाचित सरपंचों के नाम इस प्रकार हैं। विजयी सरपंचों की ग्राम पंचायतवार सूची अडोली से कोर सैयद अहमद खान, अग्राया से फूलन देवी, अरुवा से सुभाष चंद, बाडला से मनोज कुमार, बादसू से सतीश चंद मीणा, बहतुकला से पूनम, बलदेवपुरा



से पिकी, बराड़ा से बृजेंद्र सिंह, बड़ोदाकान से राकेश, बसेठ से गुलाब देवी, बेरका से बिजेंद्र सिंह, भनोखर से सरस्वती शर्मा, भरीथल से वर्षा भारती, दयालपुरा से शाहिद, दुधेरी से कुंवर सिंह, ढवोथाना से जुगली राम, गंजपुर से बनवारी लाल, इंद्रा कॉलोनी से महेंद्र सैनी, इंद्रावली से आरती कुमारी,

इसरोता से मनमोहन सिंह, जाडला से रमजान खान, जहाड़ से सीमा, जांगरु-उकसी से बीना, जटवाड़ा से दिव्या, कालवाड़ी से आर्तेद शर्मा, कांकोरली से रेखा, खेड़ामेड़ा से नरेश कुमार, खेरली तरफ रेना से कृष्णा सहरीया, खोह से मीनू यादव, मैथना से भगवानी, माकरेटा से समुद्रा,

मसारी से सुषिया सेन, मथुराहेड़ा से जसराम, नाहरखोहरा से मुरारी, नांगल रूपा से वीरवती, नूरपुर से प्रवेश, रेता से नरेंद्र, रिंझबास-संतोकरपुर से बलराम मीणा, रोनीजायान से प्रीति सैन, सहाड़ा से श्यामवती, सीताहेड़ा से कमलेश बाई, सीख से प्रभा देवी, सुंदरयाना से अंजलि वर्मा, टेंटपुर-केमला से कादू राम, तसई से भगवती सिंह चौहान, टीकरी से बलवीरा, तिगरिया से सत्तो देवी, टिटपुरी से मोहन लाल शर्मा, टोडा से नीलम कुमारी मीणा तथा तुसारी से मछल विजयी प्रत्याशी रही। तसई ग्राम पंचायत के नवनिर्वाचित सरपंच भाग्यवती सिंह चौहान मुकेश सिंह चौहान ने बताया कि ग्राम पंचायत क्षेत्र में विकास कार्य, सड़क, पेयजल, सफाई, नाली निर्माण और अन्य जनहित से जुड़े कार्यों को करने की प्राथमिकता रहेगी।

रणथंभौर में RAJAPICON-2026 का मव्य समापन, राजस्थान API के इतिहास की सर्वाधिक सफल कॉन्फ्रेंस बनी

1100 से अधिक चिकित्सकों की ऐतिहासिक सहभागिता से रचा नया इतिहास....

स्मार्ट हलचल

रणथंभौर त्रिनेत्र गणेश जी की पावन धरा रणथंभौर में आयोजित इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिशियंस (API), राजस्थान चैप्टर के 38वें वार्षिक अधिवेशन RAJAPICON2026 का रविवार को भव्य समापन हुआ। 24 एवं 25 अक्टूबर को आयोजित इस दो दिवसीय अधिवेशन में देशभर से 1100 से अधिक चिकित्सकों ने भाग लिया। ऐतिहासिक संख्या में चिकित्सकों की सहभागिता और व्यापक वैज्ञानिक कार्यक्रमों के चलते यह कॉन्फ्रेंस राजस्थान API के इतिहास की सर्वाधिक सफल कॉन्फ्रेंस बनी। इस आयोजन ने सहभागिता का नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए राजस्थान API के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ा। API के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. के.के. पारीक एवं डॉ. गिरिश माथुर ने अधिवेशन की सफलता की सराहना करते हुए इसे चिकित्सा शिक्षा और वैज्ञानिक विमर्श की दृष्टि से महत्वपूर्ण आयोजन बताया। उन्होंने चिकित्सा विज्ञान में उभरती नई संभावनाओं, नवीनतम



शोध, आधुनिक उपचार पद्धतियों और साक्ष्य-आधारित चिकित्सा पर हुई चर्चा को चिकित्सकों के ज्ञानवर्धन तथा मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण बताया। एसोसिएशन ऑफ फिजिशियंस ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. पुनीत सक्सेना ने भी अधिवेशन की सराहना करते हुए इसे सफल एवं ज्ञानवर्धक आयोजन बताया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के वैज्ञानिक सम्मेलन चिकित्सकों की सतत चिकित्सा शिक्षा (Continuing Medical

Education—CME), नवीनतम शोध के प्रसार तथा चिकित्सा विज्ञान में हो रहे बदलावों से चिकित्सकों को अवगत कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अधिवेशन के वैज्ञानिक सत्रों में हाइपरटेंशन, मधुमेह, संक्रामक रोग, हृदय रोग, नवीन औषधियों, क्लिनिकल रिसर्च तथा उभरती चिकित्सा तकनीकों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने नवीनतम शोध निष्कर्षों, अपडेटेड क्लिनिकल गाइडलाइंस और आधुनिक उपचार पद्धतियों के

व्यावहारिक उपयोग पर अपने अनुभव साझा किए। रोगों की शीघ्र पहचान, सटीक निदान, व्यक्तिगत उपचार रणनीतियाँ और मरीजों के बेहतर क्लिनिकल आउटकम पर विशेष जोर दिया गया। वैज्ञानिक कार्यक्रमों ने चिकित्सकों को नवीनतम चिकित्सा साक्ष्यों और उपचार की आधुनिक विधियों से रूबरू होने का अवसर प्रदान किया। अधिवेशन में API राजस्थान के चेयरमैन डॉ. प्रकाश केसवानी, पूर्व चेयरमैन डॉ. संजीव माहेश्वरी तथा महासचिव डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी की महत्वपूर्ण भूमिका एवं उपस्थिति रही। API राजस्थान के महासचिव डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने अधिवेशन से शैक्षणिक एवं संगठनात्मक समन्वय में योगदान दिया। उनके प्रयासों से वैज्ञानिक कार्यक्रमों के सुसुवस्थित संचालन, चिकित्सकों की सक्रिय सहभागिता तथा नवीनतम चिकित्सा ज्ञान के प्रभावी आदान-प्रदान को प्रोत्साहन मिला। इस ऐतिहासिक आयोजन की सफलता में ऑर्गेनाइजिंग चेयरमैन डॉ. आर.के. जैन, ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. सुमीत गर्ग तथा साइटिफिक

चेयरपर्सन डॉ. मीनाक्षी शारदा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आयोजन समिति ने वैज्ञानिक कार्यक्रमों की योजना, विभिन्न सत्रों के समन्वय, विशेषज्ञों की सहभागिता और चिकित्सकों के लिए शैक्षणिक गतिविधियों के सुसुवस्थित संचालन हेतु समन्वित प्रयास किए। इन प्रयासों से RAJAPICON2026 को व्यापक सहभागिता वाला महत्वपूर्ण वैज्ञानिक मंच बनाने में मदद मिली। दो दिवसीय RAJAPICON2026 का समापन चिकित्सा शिक्षा, वैज्ञानिक अनुसंधान और साक्ष्य-आधारित उपचार पद्धतियों को बढ़ावा देने के संकल्प के साथ हुआ। 1100 से अधिक चिकित्सकों की ऐतिहासिक सहभागिता ने राजस्थान API की संगठनात्मक क्षमता और वैज्ञानिक गतिविधियों के विस्तार को नई पहचान दी। यह अधिवेशन चिकित्सा विशेषज्ञों के बीच ज्ञान एवं अनुभवों के आदान-प्रदान को सशक्त बनाने तथा मरीजों को बेहतर, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में याद किया जाएगा।

पंचायतीराज चुनाव को लेकर 2100 मतदान कार्मिकों को दिया प्रशिक्षण

जिला निर्वाचन अधिकारी कमल राम मीना ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा, निष्पक्ष एवं गुटिरहित मतदान के लिए निर्देश

स्मार्ट हलचल । अनिल खींची

ब्यावर। पंचायतीराज आम चुनाव-2026 की तैयारियों के तहत जिले में मतदान कार्मिकों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। राजकीय पटेल उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित प्रशिक्षण शिविर का जिला निर्वाचन अधिकारी कमल राम मीना एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी ब्रह्मलाल जाट ने निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिला निर्वाचन अधिकारी कमल राम मीना ने प्रशिक्षण कक्षा में पहुंचकर कार्मिकों को दिए जा रहे प्रशिक्षण की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया में मतदान दलों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। सभी कार्मिक निर्वाचन नियमों एवं दिशा-निर्देशों की पूरी पालना करते हुए निष्पक्ष, पारदर्शी एवं गुटिरहित मतदान सुनिश्चित करें। डॉ. योगेश भाटी, व्यवस्थापक प्रशिक्षण प्रकोष्ठ एवं जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर के नेतृत्व में आयोजित प्रशिक्षण में कार्मिकों को ईवीएम की कंट्रोल यूनिट एवं बैलेट यूनिट के संचालन, मॉक पोल, सीलिंग प्रक्रिया तथा विभिन्न सांविधिक एवं असांविधिक प्रश्नों को भरने की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में सैद्धांतिक जानकारी के साथ प्रायोगिक अभ्यास भी करवाया गया।

2100 कार्मिकों को किया प्रशिक्षण मतदान कार्मिकों का प्रशिक्षण 21 से 25 अक्टूबर तक आयोजित किया गया। इस दौरान जिले की समस्त पंचायत समितियों के लिए नियुक्त कुल 2100 मतदान कार्मिकों को प्रशिक्षित किया गया, ताकि चुनाव के दौरान मतदान प्रक्रिया का सुचारू एवं नियमानुसार संचालन सुनिश्चित हो सके।

यंगथॉन 3.0 में देवली अरब रोड स्थित राजकीय स्कूल के 100 बच्चों ने लिया भाग

स्मार्ट हलचल

कोटा। कोटा यूनाइटेड राउंड टेबल 306 की पहल पर देवली अरब रोड स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के 100 विद्यार्थियों ने यंगथॉन 3.0 मेराथन में उत्साहपूर्वक भाग लिया। संस्था की ओर से विद्यार्थियों को निःशुल्क रजिस्ट्रेशन, फिट और मेराथन टी-शर्ट उपलब्ध कराई गई। संस्था के चेयरमैन मुकुल जैन ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य बच्चों में खेलकूद, शारीरिक फिटनेस, अनुशासन और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ मेराथन में भागीदारी कर फिटनेस और शिक्षा के संदेश को आगे बढ़ाया। कोटा यूनाइटेड राउंड टेबल 306 शिक्षा और सामुदायिक सेवा के साथ बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है।



अरुणाचल के गृहमंत्री मामा नटुंग ने ग्लोबल समिट में दिया आध्यात्मिक नेतृत्व का संदेश

ब्रह्माकुमारीज के 90 वर्ष के आध्यात्मिक सफर पर माउंट आबू में आयोजन, करुणा, नैतिकता और आंतरिक ज्ञान को बताया प्रबुद्ध नेतृत्व की बुनियाद

स्मार्ट हलचल

माउंट आबू। राजस्थान के माउंट आबू स्थित ब्रह्माकुमारीज के विश्व मुख्यालय शांतिवन परिसर में 23 से 25 अक्टूबर तक आयोजित ग्लोबल समिट-2026 में अरुणाचल प्रदेश के गृहमंत्री मामा नटुंग मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। डायमंड हॉल में आयोजित सम्मेलन के पूर्ण सत्र में 'विश्व नवीनीकरण के लिए आध्यात्मिक जागृति' विषय पर विचार-विमर्श हुआ। ब्रह्माकुमारीज की 90 वर्षों की आध्यात्मिक यात्रा को समर्पित इस आयोजन में आध्यात्मिक मूल्यों, नैतिक नेतृत्व, आंतरिक शांति और मानवीय सद्भाव के महत्व पर जोर दिया गया। समिट में अपने विचार साझा करते हुए मामा नटुंग ने कहा कि करुणा, नैतिकता, ईमानदारी और आंतरिक ज्ञान प्रबुद्ध नेतृत्व की आधारशिला हैं। वर्तमान दौर में दुनिया तेजी से डिजिटल तकनीक, आधुनिक संचार और नई चुनौतियों के बीच आगे बढ़ रही है। ऐसे समय में नेतृत्व की सार्थकता केवल प्रशासनिक दक्षता और विकास के लक्ष्यों तक सीमित नहीं रह सकती, बल्कि उसमें मानवीय



संवेदनाओं, नैतिक जिम्मेदारी और समाज के प्रति प्रतिबद्धता भी जरूरी है। उन्होंने आध्यात्मिक मूल्यों को जीवन और नेतृत्व से जोड़ने की आवश्यकता पर विचार रखते हुए कहा कि व्यक्ति के भीतर शांति, संतुलन और सकारात्मक सोच का विकास समाज में बेहतर वातावरण बनाने में योगदान दे सकता है। जब नेतृत्व में संवेदनशीलता और नैतिकता को प्राथमिकता दी जाती है, तब निर्णयों में मानवीय पक्ष को भी उचित महत्व मिलता है।

तकनीकी युग में आध्यात्मिक मूल्यों की प्रासंगिकता

आज का विश्व विज्ञान, तकनीक और

शांतिपूर्ण तथा संवेदनशील समाज के निर्माण से जोड़कर देखा गया। आध्यात्मिक दृष्टिकोण के अनुसार, जब व्यक्ति अपने विचारों और व्यवहार में संतुलन विकसित करता है, तो उसका प्रभाव उसके परिवार, कार्यस्थल और सामाजिक जीवन पर भी पड़ सकता है। इसी तरह नेतृत्व में धैर्य, ईमानदारी, करुणा और नैतिकता का समावेश निर्णय प्रक्रिया को अधिक मानवीय बनाने में सहायक हो सकता है।

ब्रह्माकुमारीज के 90 वर्ष की आध्यात्मिक यात्रा

ग्लोबल समिट-2026 का आयोजन ब्रह्माकुमारीज की 90 वर्षों की आध्यात्मिक यात्रा के संदर्भ में किया गया। राजस्थान के माउंट आबू स्थित शांतिवन परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में आध्यात्मिक जागृति और विश्व नवीनीकरण के विचार को प्रमुखता दी गई। सम्मेलन का विषय व्यक्तिगत परिवर्तन से लेकर व्यापक सामाजिक सद्भाव तक आध्यात्मिक मूल्यों की भूमिका पर ध्यान केंद्रित करता है। इस प्रकार के सम्मेलनों का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े व्यक्तियों और आध्यात्मिक नेतृत्व को एक

नरेश मीणा के खिलाफ अधिकारियों को धमकाने का मामला दर्ज



बोले- मंत्री किरोड़ीलाल मीणा के दबाव में FIR हुई, मुझे फिर जेल भेजना चाहते हैं

स्मार्ट हलचल

बारां किसान नेता नरेश मीणा के खिलाफ बारां जिले के छबड़ा थाने में अधिकारियों को धमकाने समेत 8 धाराओं में FIR दर्ज की गई है। मामले को लेकर कृषि उपनिदेशक ने कलेक्टर को शिकायत भेजी थी। नरेश मीणा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने आरोप लगाया कि कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा के दबाव में कृषि विभाग के अधिकारियों ने यह केस दर्ज कराया है। उन्होंने कहा- पंचायत चुनाव के बीच सरकार हमें जेल भेजना चाहती है, लेकिन जेल जाने के बाद भी जनता मेरा साथ देगी और 'हाथी' चुनाव चिह्न पर वोट देकर पंचायतराज चुनाव में मेरा बॉर्ड बनाएंगी।

अब तक सरकार 40 से अधिक मुकदमे दर्ज करा चुकी

नरेश मीणा ने कहा- यह मुकदमा पहली बार दर्ज नहीं हुआ है। अब तक सरकार मेरे ऊपर 40 से अधिक मुकदमे दर्ज करा चुकी है। कई बार जेल भी भेजा जा चुका हूँ। जब भी मैं जनता की आवाज उठाता हूँ, जनता के लिए लड़ता हूँ, तब मेरे खिलाफ मुकदमे दर्ज कराए जाते हैं। दबाव बनाया जाता है कि मैं जनता की आवाज न बोलूँ। उन्होंने कहा- पिछले दिनों मुझे बिना कारण 45 दिन जेल में रखा गया, केवल इसलिए कि मैंने पिपलीदी में मरने वाले बच्चों की मदद की और उनके लिए आंदोलन किया।

मॉडल्स की रैम्पवॉक

आमेर किले के शाही आंगन में मॉडल्स की रैम्पवॉक

परिधानों और गहनों में दिखी भव्यता और राजस्थान की विरासत; 150 मॉडल्स ने की वॉक

जयपुर(नि.सं.)। आमेर किले की ऐतिहासिक दीवारों, गणेश पोल की कलात्मक नक्काशी, शीशमहल की चमक और राजसी स्थापत्य की भव्यता। इसी विरासत के बीच जब रैंप पर पारंपरिक परिधान, हाथों की बारीक कारीगरी और शाही आभूषण के साथ राजस्थान की संस्कृति पेश करते हुए मॉडल्स ने फैशन के नए अंदाज में छाप छोड़ी। ऐतिहासिक आमेर किले में आयोजित 'हैरिटेज डोर सीजन-3' में राजस्थान की स्थापत्य कला, वस्त्र परंपरा, हस्तशिल्प और समकालीन फैशन का खूबसूरत मेल देखने को मिला। व्ह सोक्रेंस में फैशन शो में 150 से अधिक महिला और पुरुष मॉडल्स ने कैटवॉक किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री दीपा कुमारी रही। राजस्थान सरकार के पर्यटन और पुरातत्व विभाग के सहयोग से आयोजित फैशन शो की खासियत यह रही कि आमेर महल के अलग-अलग हिस्सों की पहचान को परिधानों और आभूषणों की थीम से जोड़ा गया। गणेश पोल, सूरजपोल, चांदपोल, शीशमहल, जनाना महल, केसर क्यारी, सुख निवास और चार बाग जैसे ऐतिहासिक स्थलों के नाम पर सीक्रेंस तैयार किए गए। हर सीक्रेंस में डिजाइनर्स ने राजस्थान की पारंपरिक कारीगरी को अपने-अपने अंदाज में प्रस्तुत किया। आयोजक शिवाली गुप्ता, सोनाली खंडेलवाल और प्रिया दीवान ने बताया- शो डायरेक्टर अभिमन्यु सिंह तोमर के निर्देशन में इस आयोजन को राजस्थान की विरासत और आधुनिक फैशन के संगम के रूप में तैयार किया गया।

राजस्थान में प्राकृतिक एवं योगिक खेती को मिलेगी नई पहचान

कृषि विभाग और ब्रह्माकुमारी संस्थान के बीच ऐतिहासिक समझौता

जयपुर(नि.सं.)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की मंशा के अनुरूप राजस्थान में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने, किसानों को आत्मनिर्भर बनाने तथा पर्यावरण अनुकूल कृषि पद्धतियों के विस्तार की दिशा में कृषि विभाग ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। रविवार को आबूरोड स्थित ब्रह्माकुमारी संस्थान के शांतिवन परिसर में आयोजित ग्लोबल समिट के दौरान राजस्थान सरकार के कृषि विभाग एवं ब्रह्माकुमारी संस्थान की राजयोग एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन के कृषि एवं ग्रामीण विकास प्रभाग के मध्य महत्वपूर्ण समझौता जापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। राजस्थान सरकार की ओर से कृषि आयुक्त श्री नरेश कुमार गोयल ने समझौता जापन पर हस्ताक्षर किए। वहीं, ब्रह्माकुमारी संस्थान की ओर से कृषि एवं ग्रामीण विकास प्रभाग की अध्यक्ष बीके सरला के प्रतिनिधित्व में यह समझौता संपन्न हुआ। इस ऐतिहासिक पहल से प्रदेश में प्राकृतिक एवं योगिक खेती के विस्तार, किसानों के प्रशिक्षण, कृषि कार्मिकों के क्षमता संवर्धन तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों को नई राति मिलेगी। समझौते के माध्यम से कृषि विभाग की तकनीकी विशेषज्ञता और ब्रह्माकुमारी संस्थान के प्रशिक्षण एवं जन-जागरूकता संबंधी अनुभवों का समन्वय किया जाएगा। प्राकृतिक खेती को जन-आंदोलन बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता : कृषि आयुक्त श्री नरेश कुमार गोयल ने

कहा कि मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा एवं कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल के मार्गदर्शन में राज्य सरकार कृषि को अधिक लाभकारी, टिकाऊ, पर्यावरण अनुकूल एवं किसान हितैषी बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती केवल रासायनिक आदानों पर निर्भरता कम करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने, जल संरक्षण, पर्यावरण संतुलन तथा किसानों की दीर्घकालीन आर्थिक समृद्धि से जुड़ी महत्वपूर्ण पहल है।

श्री गोयल ने कहा कि प्राकृतिक खेती को जन-आंदोलन का स्वरूप देने के लिए किसानों को तकनीकी जानकारी के साथ निरंतर मार्गदर्शन, प्रशिक्षण एवं सफल कृषि मॉडल से जोड़ना आवश्यक है। कृषि विभाग और ब्रह्माकुमारी संस्थान के संयुक्त प्रयास इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

शहर के 80 वार्डों में लग्गी 3 हजार से ज्यादा स्ट्रीट लाइटें दीपावली से पूर्व जगमग होगा अपना अजमेर : देवनानी

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव ने किया शनिवार को इण्डिया मोटर सर्किल, ठठेरा चौक, ऊसरी गेट, शनि मन्दिर एवं शिव मन्दिर क्षेत्रों में हाईमास्ट लाइटों का शुभारम्भ

दिल्ली में कांग्रेस का शक्ति प्रदर्शन: राजस्थान से एक लाख कार्यकर्ता जुटाने का लक्ष्य

जयपुर। दिल्ली में 1 नवंबर को आयोजित होने वाली 'वोट बचाओ-देश बचाओ' महारैली की तैयारियों को लेकर कांग्रेस ने राजस्थान में संगठनात्मक गतिविधियां तेज कर दी हैं। इसी सिलसिले में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने जयपुर के कांस्टीट्यूशन क्लब में प्रदेश के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं और संगठन पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटसरा, सुखजिंदर सिंह रंधावा, अशोक महलेंद्र, सचिन पायलट, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, एनएसयूआई अध्यक्ष विनोद जाखड़, जितेंद्र सिंह, एआईसीसी सह प्रभारी रित्विक मकवाना, चिरंजीवी राव और पूनम पासवान सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस विधायक, विधायक प्रत्याशी और संगठन पदाधिकारी शामिल हुए।

बिगेस्ट नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट में रोमांचक मुकाबले, दुर्गा वॉरियर्स और गंगापुर हीरोज ने दर्ज की जीत

दबंग डैड्स ने पापा पैथर्स को एक रन से हराया, हायर सेकेंडरी स्कूल ग्राउंड में दूधिया रोशनी के बीच क्रिकेट का रोमांच जारी

स्मार्ट हलचल

गंगापुर सिटी। शहर में खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने और युवाओं में खेल भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से भारत विकास परिषद, शाखा सुभाष एवं जीपीएस स्कूल, गंगापुर सिटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित बिगेस्ट नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट-2026 में तीसरे दिन तीन मुकाबलों का सिलसिला जारी है। 22 अक्टूबर से हायर सेकेंडरी स्कूल ग्राउंड में शुरू हुई इस प्रतियोगिता में तीसरे दिन तीन मुकाबले खेले गए। खिलाड़ियों ने शानदार बल्लेबाजी, गेंदबाजी और टीम भावना का प्रदर्शन किया। दिन के मुकाबलों में दुर्गा वॉरियर्स और गंगापुर हीरोज ने जीत दर्ज की, जबकि दबंग डैड्स और पापा पैथर्स के बीच खेला गया मुकाबला अंतिम क्षणों तक रोमांच से भरपूर रहा। भारत विकास परिषद शाखा सुभाष के प्रांतीय संगठन सचिव आदित्य भारद्वाज एवं जीपीएस स्कूल के डायरेक्टर चेतन अग्रवाल ने बताया कि प्रतियोगिता में कुल 20 टीमों भाग ले रही हैं, जिनमें लगभग 300 खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। टूर्नामेंट का आयोजन 3 नवंबर तक किया जाएगा। प्रतिदिन शाम 5 बजे से मुकाबले आयोजित हो रहे हैं। दूधिया रोशनी में खेले जा रहे मैचों को देखने के लिए क्रिकेट प्रेमियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

दुर्गा वॉरियर्स ने 55 रन से दर्ज की शानदार जीत

टूर्नामेंट के तीसरे दिन पहला मुकाबला दुर्गा वॉरियर्स और वीरांगना-11 के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए दुर्गा वॉरियर्स ने निर्धारित 8 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर 97 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी वीरांगना-11 की टीम

निर्धारित ओवरों में तीन विकेट के नुकसान पर केवल 42 रन ही बना सकी। इस तरह दुर्गा वॉरियर्स ने 55 रन के बड़े अंतर से मुकाबला अपने नाम कर लिया।

गंगापुर हीरोज ने स्कूल शिक्षा परिवार को 28 रन से हराया

दूसरा मुकाबला गंगापुर हीरोज और स्कूल शिक्षा परिवार के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए गंगापुर हीरोज ने निर्धारित 12 ओवर में आठ विकेट के नुकसान पर 103 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी स्कूल शिक्षा परिवार की टीम गंगापुर हीरोज की गेंदबाजी के सामने टिक नहीं सकी और 11.1 ओवर में 75 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। इस तरह गंगापुर हीरोज ने 28 रन से मुकाबला जीत लिया। टीम ने बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजी में भी प्रभावी प्रदर्शन करते हुए जीत अपने नाम की।

आखिरी ओवरों तक चला रोमांच, दबंग डैड्स ने एक रन से जीता मैच

तीसरा मुकाबला दबंग डैड्स और पापा पैथर्स के बीच खेला गया। इस मैच में दोनों टीमों के बीच

कड़ा संघर्ष देखने को मिला। पहले बल्लेबाजी करते हुए पापा पैथर्स ने निर्धारित 12 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर 116 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दबंग डैड्स की टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पांच विकेट के नुकसान पर 117 रन बना दिए। बेहद करीबी मुकाबले में दबंग डैड्स ने एक रन से जीत हासिल की। मैच के दौरान खिलाड़ियों के प्रदर्शन और अंतिम समय तक बने रोमांच ने दर्शकों को उत्साहित रखा।

खिलाड़ियों और दर्शकों में दिख रहा उत्साह

टूर्नामेंट मीडिया प्रभारी मनोहर गुप्ता ने बताया कि प्रतियोगिता के दौरान प्रतिदिन रोमांचक मुकाबले देखने को मिल रहे हैं। मैदान पर खिलाड़ियों का जोश और दर्शकों का उत्साह लगातार बढ़ रहा है। इस आयोजन का उद्देश्य स्थानीय खिलाड़ियों को बेहतर मंच उपलब्ध कराना, युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करना और आपसी भाईचारे एवं टीम भावना को मजबूत करना है। 3 नवंबर तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में आगामी मुकाबलों को लेकर भी क्रिकेट प्रेमियों में उत्प्रेरणा बनी हुई है।

यूएई में 240 करोड़ की लॉटरी जीतने वाले भारतीय ने बताया, कैसे बदली उनकी जिंदगी

दुबई, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) निवासी भारतीय मूल के आईटी पेशेवर अनिल कुमार बोला ने 240 करोड़ की भारी-भरकम लॉटरी जीतने के बाद अपने जीवन और प्राथमिकताओं में आए बदलावों पर खुलकर बात की है। मूल रूप से तेलंगाना निवासी अनिल ने 18 अक्टूबर 2025 को यूएई लॉटरी के लकी डे ड्रा में 10 करोड़ दिरहम यानी करीब 240 करोड़ रुपये का यह जैकपॉट जीता था। उस समय उनकी उम्र 29 साल थी। उन्होंने कुल 12 टिकट खरीदे थे, और उनके सभी सातों नंबर विजेता नंबरों से पूरी तरह मेल खा गए थे, जिससे वह रातोंरात करोड़पति बन गए। लॉटरी जीतने के बाद अनिल ने अपनी दौलत का इस्तेमाल सबसे पहले अपने परिवार के सपनों को पूरा करने में किया। उन्होंने अपनी मां की इच्छा पूरी करते हुए उनके लिए सोने के गहने खरीदे और खेती के शौकीन अपने पिता के लिए कृषि भूमि खरीदी, ताकि वे अपनी पसंद के अनुसार जैविक खेती कर सकें। हालांकि, उन्होंने अपने पुराने पैतृक घर को बदलने के बजाय उस वैसा ही रहने दिया क्योंकि वह उनके पिता की भावनाओं से जुड़ा हुआ है। इसके अलावा, उन्होंने भारत और यूएई दोनों जगह संपत्तियां खरीदी हैं और अब वे भविष्य के लिए नए कारोबार शुरू करने के अवसरों की तलाश कर रहे हैं।

जापान के बोनिन द्वीप समूह में 7.0 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप

टोक्यो, एजेंसी। एशियाई देश जापान की धरती शनिवार, 24 अक्टूबर 2026 को एक बार फिर कांप उठी। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूससीएस) के अनुसार, जापान की राजधानी टोक्यो से लगभग 1000 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपूर्व में स्थित बोनिन द्वीप समूह में 7.0 तीव्रता का एक शक्तिशाली भूकंप दर्ज किया गया। यह भूकंप स्थानीय समय के अनुसार शाम 4 बजकर 9 मिनट पर आया। भूकंप का केंद्र जापान के बोनिन द्वीप समूह के पास, राजधानी टोक्यो के दक्षिण में समुद्र के भीतर स्थित था, जिसकी गहराई जमीन से लगभग 492.4 किलोमीटर थी। इतनी अधिक गहराई पर आने वाले भूकंप के प्रभाव आमतौर पर सतह पर कम महसूस होते हैं, जिससे जान-माल का बड़ा नुकसान होने की संभावना कम हो जाती है। हालांकि, भूकंप की तीव्रता 7.0 होने के कारण इस पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। अमेरिकी नेशनल वेदर सर्विस ने पुष्टि की है कि हवाई और प्रभावित क्षेत्रों के लिए सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है, जिससे यह एक बड़ी राहत की खबर है। अब तक, जापान में इस भूकंप से किसी तरह के जान-माल के नुकसान या बड़ी क्षति की कोई खबर सामने नहीं आई है। जापान, जो प्रशांत रिंग ऑफ फायर पर स्थित होने के कारण अक्सर भूकंप का अनुभव करता है, अपनी कठोर भूकंपरोधी निर्माण तकनीकों और त्वरित आवाह प्रतिक्रिया प्रणालियों के लिए जाना जाता है। ये प्रणालियां ऐसे शक्तिशाली भूकंपों के प्रभावों को कम करने में सक्षम सिद्ध होती हैं।

सऊदी अरब में दो बांग्लादेशी नागरिकों को मृत्युदंड, ढाका ने मांगी विस्तृत जानकारी

ढाका । सऊदी अरब के मक्का क्षेत्र में दो बांग्लादेशी नागरिकों को मृत्युदंड देने के मामले में बांग्लादेश सरकार ने सऊदी अधिकारियों से विस्तृत जानकारी मांगी है। रिपोर्ट के अनुसार, दोनों नागरिकों को 14 अक्टूबर को मक्का की एक मस्जिद में कथित तौर पर अशोभनीय कृत्य करने के मामले में दोषी ठहराने के बाद मृत्युदंड दिया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, जेद्दा स्थित बांग्लादेशी महावाणिज्य दूतावास ने 19 अक्टूबर को सऊदी विदेश मंत्रालय की मक्का शाखा को राजनयिक पत्र भेजकर छह सवालों के जवाब मागे। इसमें आरोपों का विवरण, घटना की तारीख और स्थान, गिरफ्तारी की तारीख तथा अदालत के फैसलों की प्रमाणित प्रतियां शामिल हैं।

ओबामा ने ट्रंप प्रशासन पर साधा तीखा निशाना
ईरान युद्ध से लेकर व्हाइट हाउस की साज-सज्जा तक पर घेरा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में मिडटर्म चुनावों की सर्गमी के बीच पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने डेमोक्रैटिक पार्टी के पक्ष में जोरदार मोर्चा संभाल लिया है। ओहायो में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए ओबामा ने वर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की नीतियों और कार्यशैली पर जमकर हमला बोला। उन्होंने बढ़ती महंगाई, ईरान के साथ युद्ध, विदेश नीति और व्हाइट हाउस में किए जा रहे बदलावों को लेकर ट्रंप को घेरा, और यहां तक कि रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ पर भी व्यंग्य कसा।ओबामा ने ईरान के साथ जारी युद्ध को लेकर ट्रंप प्रशासन की रणनीति पर तीखे सवाल उठाए। उन्होंने याद दिलाया कि उनके राष्ट्रपति कार्यकाल में ईरान के परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने के लिए एक कूटनीतिक समझौता किया गया था, जिसे उन्होंने बड़ी सफलता बताया था। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि ट्रंप प्रशासन ने जब युद्ध शुरू किया, तब दावा किया गया कि इससे ईरान के परमाणु कार्यक्रम को रोकने में मदद मिलेगी, लेकिन सात महीने बाद अमेरिकी ठिकानों और सहयोगियों पर हमले हुए, अमेरिकी सैनिकों की जान गई और मिसाइलों का भंडार घटा। उन्होंने आरोप



लगाया कि ट्रंप प्रशासन ने देश को एक ऐसे अनावश्यक संघर्ष में उलझा दिया है, जिसकी भारी कीमत अमेरिकी नागरिकों को चुकानी पड़ रही है। पूर्व राष्ट्रपति ने अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ का मजाक उड़ाते हुए उनकी दिखावटी जीवनशैली पर तंज कसा। ओबामा ने कहा कि देश की कमान ऐसे लोगों के हाथ में है, जो गंभीर राष्ट्रीय मुद्दों को सुलझाने के बजाय दिखावे, बयानबाजी और दूसरों को नीचा दिखाने में लगे रहते हैं। उनके मुताबिक, ऐसे रवैये का खामियाजा अंततः आम अमेरिकियों को भुगतना पड़ता

है। ट्रंप के व्हाइट हाउस में कराए जा रहे नवीनीकरण पर भी ओबामा ने व्यंग्य किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति को घरों की सजावट वाले टीवी कार्यक्रम में होना चाहिए, क्योंकि व्हाइट हाउस अब ऐसा दिखने लगा है, मानो सद्दाम हुसैन ने वहां चीजकेक फैक्ट्री खोल दी हो। ओबामा का इशारा था कि जब अमेरिकी परिवार महंगाई से जूझ रहे हैं, तब राष्ट्रपति का ध्यान नए बॉलरूम, रोज़ गार्डन में बदलाव और हर जगह सोने की सजावट जैसी प्राथमिकताओं पर केंद्रित है। ओहायो की इस रैली में ओबामा डेमोक्रैटिक उम्मीदवार एमी एकटन और शेरॉड ब्राउन के समर्थन में पहुंचे थे। उन्होंने मतदाताओं से रिपब्लिकन नेतृत्व को उनकी नीतियों के लिए जवाबदेह ठहराने की अपील की। ओबामा का स्पष्ट संदेश था कि मिडटर्म चुनावों के जरिए ट्रंप प्रशासन की नीतियों पर लगाम लगाने और देश की दिशा तय करने का यह एक महत्वपूर्ण अवसर है। इस तरह, बराक ओबामा ने अपने भाषण में ईरान युद्ध, बढ़ती कीमतों, रक्षा नेतृत्व और व्हाइट हाउस की साज-सज्जा जैसे मुद्दों को जोड़कर डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन को निशाने पर लिया।

डील नहीं होने पर ईरान पर हमला होना तय : ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच गहराते तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर तेहरान को कड़ी चेतावनी दी है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका ईरान पर सैन्य हमला करने पर विचार कर रहा है, हालांकि इसके साथ ही दोनों देशों के बीच बड़ा समझौता होने की संभावना भी पूरी तरह खारिज नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि ईरान समझौता करना चाहता है, लेकिन मुख्य सवाल यह है कि क्या वह इसकी शर्तों का इमानदारी से पालन करेगा। वहीं, दूसरी ओर ईरानी राष्ट्रपति मस्दूद पेजेशकियान ने अंतिम समझौते को लेकर बातचीत टूटने के लिए सीधे तौर पर अमेरिका की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया है। ट्रंप ने संभावित सैन्य कार्रवाई पर कहा



कि अमेरिका इस पर विचार कर रहा है और संभव है कि रविवार को ही कोई कड़ा कदम उठाया जाए। हालांकि, उन्होंने हमले की योजना के बारे सीधे तौर पर कुछ भी बताने से इंकार कर दिया। ट्रंप ने कहा कि ईरान के पास

अमेरिका के साथ समझौता कर आगे की तबाही से बचने का पूरा विकल्प है। उन्होंने कहा कि उनका एकमात्र उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ईरान भविष्य में कभी परमाणु हथियार विकसित न कर सके। उन्होंने कहा कि वह इस

सीएम बोलीं- रेप पीड़िता को 2 करोड़ का ऑफर दिया
आरोपी की जमानत के लिए जज ने ली रिश्तत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में अजरबैजान की 20 वर्षीय महिला से कथित सामूहिक दुष्कर्म के मामले ने एक सनसनीखेज मोड़ ले लिया है, जिसने देश की न्याय व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने सीधे तौर पर एक जज पर मुख्य आरोपी अहमद तनवीर को जमानत दिलाने के लिए रिश्तत देने का आरोप लगाया है। उन्होंने यह भी दावा किया कि पीड़िता को अपनी शिकायत वापस लेने

के बदले लगभग दो करोड़ पाकिस्तानी रुपये (लगभग 70,000 अमेरिकी डॉलर) की पेशकश की गई थी। इन गंभीर आरोपों के बीच, पुलिस ने मुख्य आरोपी अहमद तनवीर को शुक्रवार को अदालत से जमानत अवधि बढ़ने के बावजूद नाटकीय ढंग से सत्र अदालत परिसर के बाहर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, अजरबैजान के बाकू की रहने

वाली 20 वर्षीय यह महिला सितंबर के मध्य में व्यापारिक उद्देश्य से पाकिस्तान आई थी। 25 सितंबर को लाहौर के

डिफेंस हाउसिंग अथॉरिटी इलाके में उसे एक कैफे में बुलाया गया, जहां से उसे एक फ्लैट में ले जाकर शराब पिलाई गई और फिर सामूहिक दुष्कर्म किया गया। इस मामले में पहले दो पुरुष आरोपियों और दो महिला सहयोगियों को गिरफ्तार कर लिया गया था, जबकि अहमद तनवीर

जमानत पर था। मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने अहमद तनवीर की गिरफ्तारी को सही ठहराते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, कोई भी बलात्कारी या अपराधी केवल इसलिए न्याय से बच नहीं सकता कि उसके पास पैसा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आरोपी के संपन्न परिवार ने पीड़िता को आरोप वापस लेने के बदले दो करोड़ पाकिस्तानी रुपये देने की पेशकश की थी, जबकि उसका बयान दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 164 के तहत पहले ही दर्ज हो चुका था।

पुलिस को धन्यवाद देते हुए बोलीं मेलोनी- प्रदर्शन ठीक पर हिंसा और अराजकता बर्दाश्त नहीं

- इटली के कई शहरों में महंगाई, सैन्य विस्तार और रक्षा खर्च बढ़ाने के खिलाफ प्रदर्शन**
- रोम और ट्यूरिन में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प**

रोम, एजेंसी। इटली में महंगाई, बढ़ते सैन्य खर्च और सेना के विस्तार के विरोध के शनिवार को कई शहरों में प्रदर्शन हुए। कुछ स्थानों पर प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच टकराव भी हुआ। इस बीच, प्रधानमंत्री जोर्जिया मेलोनी ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस तथा सुरक्षा बलों की सराहना की। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन का

अधिकार हमेशा सुरक्षित रहना चाहिए, लेकिन नागरिकों को अपने शहरों में सुरक्षित माहौल में रहने का अधिकार भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए। मेलोनी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में पुलिसकर्मियों और सुरक्षा बलों का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों ने देश के विभिन्न शहरों और सार्वजनिक स्थानों पर नागरिकों की सुरक्षा तथा शांतिपूर्ण प्रदर्शनों के अधिकार को बनाए रखने के लिए काम किया। कुछ लोगों की ओर से झड़प और अव्यवस्था फैलाने की कोशिशों के बावजूद उन्होंने अपनी जिम्मेदारी निभाई। प्रधानमंत्री ने गृह मंत्री माटेओ पियान्टेदोसी, प्रोफेक्ट्स, क्रैस्टर्स और कानून-व्यवस्था बनाए रखने की

कार्रवाई में समन्वय करने वाले अधिकारियों की भी सराहना की। हिंसा रोकने के लिए प्रभावी कदमों पर जोर मेलोनी ने कहा कि मंत्रिपरिषद की ओर से हाल ही में मंजूर किए गए कदमों का उद्देश्य हिंसा रोकने और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य को अधिक प्रभावी साधन उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा सभी के लिए जरूरी है—उन लोगों के लिए भी जो शांतिपूर्वक प्रदर्शन करना चाहते हैं, उनके लिए भी जो काम करते हैं और उनके लिए भी जो बिना किसी डर के अपने शहरों में रहना चाहते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि टकराव और हिंसा फैलाने वालों के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। हालांकि, उन्होंने

शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार को भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। रोम, बोलोग्ना और ट्यूरिन में झड़पें इटली के मीडिया के अनुसार, शनिवार को कई शहरों में लोगों ने बढ़ती महंगाई, सैन्य विस्तार और रक्षा बजट में वृद्धि के खिलाफ प्रदर्शन किए। रोम में प्रदर्शनकारी दोपहर के समय पियाजा डेला रिपब्लिका से युद्ध-विरोधी मार्च के लिए निकले। शाम को शहर के केंद्र में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़पें हुईं। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने पानी की बौछारों और आंसू गैस का इस्तेमाल किया। बोलोग्ना में भी कुछ प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच टकराव



हुआ। वहीं, ट्यूरिन में प्रदर्शनकारियों ने बढ़ते सैन्य खर्च और ईंधन की कीमतों में वृद्धि का विरोध किया। वहां भी शनिवार शाम पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें हुईं।

दुनिया का सबसे बड़ा बैटरी से चलने वाला जहाज ‘चाइना जोरिल्ला’ सेवा में शामिल
-130 मीटर लंबा जहाज ले जा सकता है 2,100 से अधिक यात्रियों और 225 वाहनों को

ब्यून्स आयर्स,एजेंसी। दुनिया के सबसे बड़े बैटरी-इलेक्ट्रिक जहाज ‘चाइना जोरिल्ला’ ने आधिकारिक तौर पर सेवा शुरू कर दी है। ऑस्ट्रेलिया के तस्मानिया में इकैट कंपनी द्वारा निर्मित यह जहाज दक्षिण अमेरिकी कंपनी बुकेबस के लिए संचालित होगा। इसका नाम उरुग्वे की प्रसिद्ध अभिनेत्री चाइना जोरिल्ल के नाम पर रखा गया है।

जहाज की लंबाई 130 मीटर और चौड़ाई 32 मीटर है। इसमें एक साथ 2,100 से अधिक यात्रियों और 225 वाहनों को ले जाने की क्षमता है। इसकी सबसे प्रमुख विशेषता इसका बैटरी आधारित संचालन है। इसमें 250 टन से



अधिक वजन की बैटरियां और 40 से 43 मेगावाट-घंटे की ऊर्जा भंडारण प्रणाली लगाई गई है। यह जहाज अर्जेंटीना की राजधानी ब्यून्स आयर्स और उरुग्वे के बीच रिवर प्लेट मार्ग पर चलेगा। इसके

आठ इलेक्ट्रिक वाटरजेट इंजन लगभग 25 समुद्री मील की गति प्रदान कर सकते हैं। पूरी तरह बैटरी से संचालित होने के कारण जहाज के परिचालन के दौरान प्रत्यक्ष धुआं और निकास

गैसों का उत्सर्जन नहीं होता। इससे पर्यावरिक ईंधन से चलने वाले जहाजों की तुलना में स्थानीय वायु प्रदूषण और परिचालन संबंधी शोर कम करने में मदद मिल सकती है। बड़े आकार, यात्रियों और वाहनों की परिवहन क्षमता तथा बैटरी आधारित प्रणोदन प्रणाली के कारण यह जहाज समुद्री परिवहन में स्वच्छ ऊर्जा के इस्तेमाल की दिशा में महत्वपूर्ण उदाहरण है। हालांकि, इसके समग्र पर्यावरणीय प्रभाव का आकलन बैटरियों के निर्माण, इस्तेमाल होने वाली बिजली के स्रोत और उनके जीवनकाल के प्रबंधन जैसे पहलुओं पर भी निर्भर करेगा।

ब्रिटेन ने नागरिकों को तीन दिन के आपातकाल में रहने की सलाह

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन सरकार ने हाल ही में अपने नागरिकों को एक अप्रत्याशित सलाह जारी कर आपातकालीन तैयारी के लिए सचेत किया है। बढ़ती सुरक्षा चुनौतियों, खराब मौसम की आशंकाओं और साइबर हमलों के खतरे को देखते हुए, सरकार ने अपनी नई ‘बी रेडो’ मुहिम के तहत लोगों से आपात स्थिति के लिए कम से कम तीन दिन का भोजन और पर्याप्त पानी जमा रखने का आग्रह किया है। इस घोषणा का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी बड़ी आपदा या आवश्यक सेवाओं के ठप होने की स्थिति में परिवार 72 घंटे तक अपनी बुनियादी जरूरतें पूरी कर सकें। सरकार की सलाह के मुताबिक, हर व्यक्ति के लिए रोजाना लगभग 3 लीटर पानी की व्यवस्था होनी चाहिए, जिसका अर्थ है तीन दिनों के लिए 9 लीटर पानी का भंडारण। इसके अतिरिक्त, लोगों को लंबे समय तक चलने वाले डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ, कंबल, नकदी, एक प्राथमिक उपचार किट, बैटरी वाली टॉर्च और हाथ से चलने वाला एफएम रेडियो भी तैयार रखने को

कहा गया है। जानकारों के अनुसार, बिजली, इंटरनेट या भुगतान सेवाओं के बाधित होने की स्थिति में ये वस्तुएं बेहद मददगार साबित हो सकती हैं। सरकार को इस चेतावनी के पीछे कई गंभीर कारण हैं। सरकार को आशंका है कि भविष्य में चरम मौसमी घटनाओं, ऊर्जा संकट या अंतरराष्ट्रीय तनाव से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो सकता है। ब्रिटेन ने हाल के वर्षों में कई शक्तिशाली तूफानों का सामना किया है, जिनसे हजारों घरों की बिजली आपूर्ति बाधित हुई है। जनवरी में आए तूफान गैरेटी के दौरान भी मिडलैंड्स, दक्षिण-पश्चिमी इंग्लैंड और वेल्स के कई इलाकों में बिजली गुल हो गई थी। इसके अलावा, ब्रिटिश रक्षा विशेषज्ञों ने रूस और अन्य विरोधी देशों की ओर से संभावित खतरों के लिए तैयार रहने की बात कही है। उन्होंने सरकार को, बिजली व्यवस्था, इंटरनेट और भुगतान प्रणालियों पर साइबर हमलों की आशंका भी जताई है, जिससे व्यापार और आवश्यक सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हो सकती हैं।

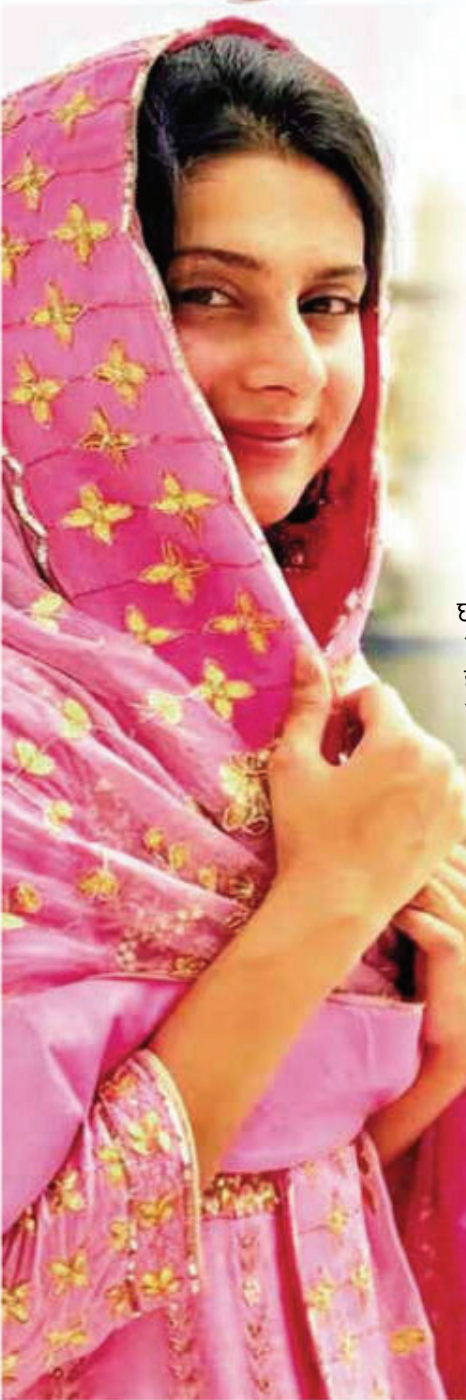


जिन्दगी के हर छोटे-बड़े पल किसी खास के साथ बांटना चाहते हैं करण जौहर

बॉलीवुड के मशहूर फिल्म निर्माता और निर्देशक करण जौहर अपनी पेशेवर सफलता के लिए तो हमेशा चर्चा में रहते ही हैं, लेकिन इस बार वह अपनी निजी जिंदगी से जुड़ी एक भावुक और दिल छू लेने वाली बात को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म जगत में लंबे समय से सक्रिय करण जौहर ने स्वीकार किया है कि वह अपनी जिंदगी में एक ऐसे हमसफर की तलाश कर रहे हैं, जिसके साथ वह अपने रोजमर्रा के अनुभव, खुशियां और खास पल साझा कर सकें। उन्होंने यह खुलकर बातचीत अपने प्रसिद्ध चैट शो काफ़ी विद करण के नौवें सीजन के एक विशेष एपिसोड में तेलुगु सिनेमा के सुपरस्टार विजय देवरकोंडा के साथ की। बातचीत के दौरान जब विजय देवरकोंडा ने अदाकारा रश्मिका मंदाना के साथ अपने मजबूत रिश्ते का जिक्र किया और कहा कि वह उनका हाथ हमेशा थामे रखना चाहते हैं क्योंकि उनके साथ रश्मिका सुरक्षित महसूस करती है, तब बातचीत का रुख करण की निजी जिंदगी की ओर मुड़ गया। विजय ने जब करण से उनकी जिंदगी की अधूरी इच्छाओं के बारे में पूछा, तो फिल्मकार थोड़े भावुक हो गए। करण ने बेहद इमानदारी से अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि भले ही तकनीकी या कानूनी कारणों से शादी करना उनके लिए शायद संभव न हो, लेकिन वह एक सच्चे और समर्पित रिश्ते की गर्माहट को अपनी जिंदगी में महसूस करना चाहते हैं। करण जौहर, जो कि सेरोगेसी के जरिए जुड़ाव बच्चों यश और रुही के सिंगल फादर हैं, ने बताया कि वह चाहते हैं कि उनका आने वाला पार्टनर न केवल उनकी खुशियों में शरीक हो, बल्कि उनके बच्चों के लालन-पालन में भी बराबर का योगदान दे। उन्होंने कहा कि उनके लिए किसी रिश्ते का असली अर्थ केवल खास अवसरों को मनाना नहीं, बल्कि हर दिन की छोटी-छोटी बातों को एक-दूसरे से बांटना और एक-दूसरे का संबल बनना है। वह अपनी जिंदगी में एक ऐसा इंसान चाहते हैं जिसे वह गर्व से अपना कह सकें और जिससे उन्हें सच्चा सम्मान और प्यार मिले। करण की इस दिल से निकली बात को सुनकर विजय देवरकोंडा भी काफी प्रभावित नजर आए। माहोल को थोड़ा हल्का और सकारात्मक बनाते हुए विजय ने मजाकिया लेकिन आत्मीय अंदाज में सभी देवी-देवताओं और शो के मंच से करण की इस इच्छा के पूरे होने की दुआ मांगी। विजय की इस प्रार्थना पर करण जौहर भावुक दिखे और उन्होंने माना कि यह दुआ वाकई दिल की गहराइयों से निकली थी। इस पूरी बातचीत ने यह साफ कर दिया कि अपार सफलता और शोहरत के बावजूद हर इंसान को अपनी जिंदगी में सच्चे साथ और आत्मीयता की जरूरत होती है।

बिपाशा के लिए खास कार्ड बनाया बेटी ने

अभिनेत्री बिपाशा बसु इन दिनों अपनी आगामी वेब सीरीज बाराबंकी की शूटिंग में व्यस्त चल रही हैं। इस बीच, उनके पति और अभिनेता करण सिंह ग़ोवर ने अपनी बेटी देवी का अपनी मां के प्रति प्यार दिखाते हुए एक मार्मिक पोस्ट साझा की। दरअसल, बिपाशा बसु की गैर-मीजुदगी में उनकी बेटी देवी ने अभिनेत्री के लिए एक खास कार्ड बनाया है। इस कार्ड को करण सिंह ग़ोवर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किया, जिसमें देवी ने लिखा, आई लव यू मम्मा। कार्ड में बेटी ने आगे अपनी मां को सोलमेट बताते हुए हमेशा उनके साथ रहने की बात लिखी है। करण सिंह ग़ोवर ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, जब हम सुबह उठते हैं और तुम यहां नहीं होती, तब भी तुम हमें मुस्कुराने की वजह देती हो और खुशियों से भर देती हो। हम तुमसे बहुत प्यार करते हैं, बिपाशा बसु।



अब सनी देओल और श्रद्धा कपूर से भिड़ेंगे सलमान !

सलमान खान के फैन्स के लिए गुड न्यूज है. लंबे वक़्त से उनकी फिल्म ‘मातृभूमि’ अटकी हुई थी. पहले ‘बैटल ऑफ गलवान’ से टाइटल ही बदल दिया गया, जिसके बाद फिल्म में काफी बदलाव किए गए हैं. लेकिन कुछ वक़्त पहले ही फिल्म को क्लीयरेंस मिल गई थी. तमाम अड़चनों को पार करने के बाद कुछ समय पहले ही इस फिल्म का रीलेज बोर्ड और सरकार की ओर से रास्ता साफ हो गया है. रिलीज डेट को लेकर भी दो डेट्स पर चर्चा चल रही. एक है नवंबर 20 और दूसरे डेट है- 4 दिसंबर. मुश्किल सफर के बाद सलमान खान की ‘मातृभूमि’ 2026 के आखिर में रिलीज होने की रस में वापस आ गई है. एक रिपोर्ट से पता लगा कि फिल्म को 20 नवंबर या 4 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज करने की हथ्थालिनिंग है. अगर यह 20 नवंबर को रिलीज होती है, तो इसका मुकाबला सनी देओल की ‘सूर्या’ से होगा. वहीं, अगर यह 4 दिसंबर को आती है, तो इसका सामना श्रद्धा कपूर की ‘ईटा’ से होगा. हालांकि, फिलहाल रिलीज डेट की प्लानिंग चल रही है, मेकर्स ने कोई ऑफिशियल ऐलान डेट को लेकर नहीं किया है.



प्राजक्ता कोली ने शेयर किया अपनी सफलता और आत्मविश्वास का राज

डिजिटल क्रिएटर से लेकर बॉलीवुड तक अपनी अदाकारी का लोहा मनवाया

इंटरनेट और सोशल मीडिया की दुनिया में मोस्टली सेने के नाम से अपनी खास पहचान बनाने के बाद बॉलीवुड फिल्मों में अपनी अदाकारी का लोहा मनवाने वाली प्राजक्ता कोली आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। हाल ही में उन्होंने नेहा धूपिया और अंगद बेदी के लोकप्रिय टॉक शो डबल डेट में शिरकत की, जहां उन्होंने डिजिटल कंटेंट निर्माण से लेकर मुख्यधारा की फिल्मों तक के अपने शानदार सफर के बारे में विस्तार से बातचीत की। प्राजक्ता ने बताया कि कैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उनके करोड़ों दर्शकों के प्यार ने उन्हें अभिनय की बड़ी दुनिया में आत्मविश्वास के साथ कदम रखने की ताकत दी। बातचीत के दौरान प्राजक्ता ने बेहद विनम्रता के साथ कहा कि जब वह किसी बड़ी फिल्म के सेट पर दिग्गज और स्थापित कलाकारों के साथ काम करने जाती हैं, तो उनके मन में यह डर नहीं रहता कि सह-कलाकार उन्हें स्वीकार करेंगे या नहीं। इसके बजाय, उनका पूरा ध्यान इस बात पर केंद्रित रहता है कि जो दर्शक अपना कीमती समय और पैसा खर्च करके सिनेमाघरों में फिल्म का टिकट खरीदते हैं, वे उनके अभिनय से संतुष्ट

हों। उन्होंने माना कि सोशल मीडिया उनकी मजबूत कम्युनिटी उनके लिए एक सुरक्षा कवच और आत्मविश्वास का सबसे बड़ा जरिया बनी है। अपनी डेब्यू ब्लॉकबस्टर फिल्म जुगजुग जिओ की शूटिंग के दिनों को याद करते हुए प्राजक्ता ने साझा किया कि वह उनके करियर का एक बहुत बड़ा मोड़ था। उस फिल्म में अनिल कपूर, नीतू कपूर, वरुण धवन, कियारा आडवाणी और करण जौहर जैसे हिंदी सिनेमा के बड़े नाम शामिल थे। इतने बड़े सितारों के बीच काम करने के बावजूद प्राजक्ता ने अपना संयम बनाए रखा। उन्होंने कहा कि सेट पर मौजूद हर वरिष्ठ और साथी कलाकार ने उनके साथ बेहद गर्मजोशी और सम्मानजनक व्यवहार किया, जिससे उन्हें अपनी भूमिका को निखारने में काफी मदद मिली। प्राजक्ता का मानना है कि एक कंटेंट क्रिएटर के तौर पर सालों तक दर्शकों से सीधे जुड़े रहने की वजह से वह आम लोगों की पसंद और उम्मीदों को बेहतर ढंग से समझ पाई हैं। यही वजह है कि जब वह कैमरे के सामने आती हैं, तो उनका उद्देश्य केवल अपने किरदार में जान फूँकना होता है ताकि उनका अनुसरण करने वाले प्रशंसक उन पर गर्व कर सकें। प्राजक्ता कोली की यह कहानी आज के युवाओं और नए डिजिटल क्रिएटर्स के लिए एक प्रेरणा है कि मेहनत और इमानदारी के दम पर किसी भी मंच से बॉलीवुड की बुलंदियों तक पहुंचा जा सकता है।

आउटसाइडर को मौका मिलना बड़ी बात

छोटे पर्दे पर अपनी पहचान बनाने के बाद अब एक्ट्रेस ईशा मालवीय बड़े पर्दे पर अपनी नई पारी शुरू करने जा रही हैं। फिल्म ‘तुम मेरे हो’ से बॉलीवुड में डेब्यू करने को लेकर ईशा काफी एसाइटेड हैं। हालांकि, पहली फिल्म को लेकर उनके मन में घबराहट भी है लेकिन वह इस मौके को लेकर ज्यादा खुश हैं। एक्ट्रेस का कहना है कि एक आउटसाइडर होने के बावजूद उन्हें बड़े पर्दे पर काम करने का मौका मिला है, जो उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। ईशा मालवीय ने बातचीत में अपने बॉलीवुड डेब्यू को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ‘पहली फिल्म होने की वजह से मैं नर्वस हूँ और मुझे डर भी लग रहा है लेकिन मेरी खुशी नर्वस होने से कहीं ज्यादा है। एक आउटसाइडर के तौर पर बड़े पर्दे तक पहुंचना मेरे लिए बड़ी बात है। मैं इस मौके को लेकर काफी एसाइटेड हूँ और अपनी फिल्म को दर्शकों के सामने लाने का इंतजार कर रही हूँ।’ ईशा मालवीय ने कहा, ‘मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हूँ। मुझे लगता है कि अब तक मैंने जो मेहनत की है, जिंदगी में जिन मुश्किलों का सामना किया है और मुझे यहां तक पहुंचाने के लिए मेरे माता-पिता ने जो परेशानियाँ झेली हैं, उन सबका नतीजा अब सामने आ रहा है। मैं फिल्म ‘तुम मेरे हो’ से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हूँ। इसके लिए मैं बहुत खुश हूँ।’ ईशा ने कहा, ‘मेरे लिए अभी भी इस बात पर यकीन करना आसान नहीं है कि मैं सच में बॉलीवुड फिल्म का हिस्सा बन गई हूँ। मुझे कई बार ऐसा लगता है, जैसे मैं कोई सपना देख रही हूँ। हालांकि, जब मैं फिल्म से जुड़े लोगों को अपने साथ देखती हूँ, तो मुझे इस बात का एहसास होता है कि मेरा सपना अब हकीकत बन रहा है। यह मेरे लिए अनुभव काफी खास है और मैं इस नए सफर को लेकर उत्साहित हूँ।’ अपनी फिल्म ‘तुम मेरे हो’ को लेकर ईशा ने कहा, ‘मुझे उमीद है कि यह उन दर्शकों को पसंद आएगी, जो पर्दे पर एक सिंपल लव स्टोरी देखना चाहते हैं। हम दर्शक के तौर पर असर शिकायत करते हैं कि अच्छी फिल्में नहीं आ रही हैं। फिल्मों में बहुत हिंसा और खून-खराबा है। रोमांस कहाँ है? एक सिंपल लव स्टोरी कहाँ है? इसलिए हम आपके लिए ‘तुम मेरे हो’ लेकर आए हैं।’ फिल्म ‘तुम मेरे हो’ में ईशा मालवीय के साथ एक्टर गुरमीत चौधरी भी नजर आएंगे।



प्रभास की ‘सालार 2’ पर बड़ा अपडेट, अगले साल जून में शुरू हो सकती है शूटिंग

साउथ सुपरस्टार प्रभास की फिल्म ‘सालार-पार्ट 1-सीजफायर’ ने साल 2023 में सिनेमाघरों में दस्तक दी थी। प्रशांत नील के निर्देशन में बनी इस एक्शन फिल्म को दर्शकों का जबरदस्त प्यार मिला और इसने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया। फिल्म की कहानी खानसार की काल्पनिक दुनिया में दिखाई गई थी, जिसने अपने बड़े पैमाने और दमदार एक्शन से दर्शकों के बीच अलग पहचान बनाई। अब इसके सीक्वल ‘सालार-पार्ट 2-शौर्यांग पर्व’ को लेकर एक नया अपडेट सामने आया है, जिसने फैंस की उत्सुकता बढ़ा दी है। प्रभास के जन्मदिन के मौके पर निर्देशक प्रशांत नील ने उनसे मुलाकात की। इस खास मुलाकात का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया गया, जिसमें दोनों एक-दूसरे को गले लगाते और हंसी-मजाक करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में प्रभास अपने अंदाज में प्रशांत नील से जन्मदिन के तोहफे के बारे में पूछते हैं। इस पर निर्देशक मुस्कुराते हुए कहते हैं कि ‘सालार 2’ खुद ही उनके लिए एक गिफ्ट है। इस बातचीत ने फिल्म के सीक्वल को लेकर चर्चा तेज कर दी है। अगले साल जून में शुरू होगी ‘सालार 2’ की शूटिंग सामने आई जानकारी के मुताबिक, ‘सालार-पार्ट 2-शौर्यांग पर्व’ की शूटिंग अगले साल जून में शुरू होने की योजना है। इस खबर के बाद फिल्म का इंतजार कर रहे दर्शकों के बीच उत्साह बढ़ गया है। हालांकि, फिल्म की शूटिंग से जुड़ी इस जानकारी को लेकर आधिकारिक पुष्टि और आगे के अपडेट पर नजर बनी हुई है।

‘हाउसफुल 4’ के सात साल पूरे, कृति खरबंदा ने याद किया अपना शाही अंदाज

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति खरबंदा ने अपनी फिल्म ‘हाउसफुल 4’ के सात साल पूरे होने पर इससे जुड़ी यादें ताजा की हैं और फिल्म का हिस्सा बनने के लिए आभार जताया है। वर्ष 2019 में रिलीज हुई कॉमेडी फिल्म ‘हाउसफुल 4’ की सालगिरह पर कृति ने सोशल मीडिया पर एआई से तैयार एक वीडियो साझा किया, जिसमें फिल्म से उनका शाही लुक नजर आ रहा है। अभिनेत्री ने इसके साथ भावुक संदेश साझा करते हुए लिखा, फ़िल्म, इस अनुभव, पूरी टीम और बेशक हमारे दर्शकों के लिए आभारी हूँ! फ़िल्म में कृति खरबंदा दोहरी भूमिका में नजर आई थीं। उनके पारंपरिक परिधानों, खूबसूरत आभूषणों और राजसी अंदाज ने दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया था। फिल्म में अलग-अलग समयवधियों में उनके किरदारों के लुक और व्यक्तित्व में अंतर भी देखने को मिला था। कृति की इस पोस्ट ने फिल्म से जुड़ी पुरानी यादों को ताजा कर दिया है। अभिनेत्री ने अपने संदेश के जरिए फिल्म की पूरी टीम और दर्शकों के प्रति आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग और प्यार ने इस अनुभव को उनके लिए यादगार बनाया।



कन्नड़ सुपरस्टार यश ने भी की साई पल्लवी की तारीफ

अपकमिंग फिल्म रामायण में माता सीता का किरदार निभा रहीं दक्षिण भारतीय अभिनेत्री साई पल्लवी की बीते दिनों अभिनेता रणबीर कपूर ने जमकर तारीफ की थी। अभिनेता रणबीर के बाद फिल्म में रावण की भूमिका निभा रहे कन्नड़ सुपरस्टार यश ने भी साई पल्लवी की तारीफ में कसीदे पड़े हैं। उन्होंने दर्शकों से साई पल्लवी को प्यार और आशीर्वाद देने की भी अपील की है, जिससे यह साफ होता है कि टीम को उनके अभिनय पर कितना भरोसा है। शुरुआत में, साई पल्लवी को सीता के रोल में कास्ट किए जाने पर लोगों ने काफी सवाल उठाए थे, लेकिन फिल्म के कलाकारों द्वारा मिल रही सराहना ने उन सभी संदेहों को दूर कर दिया है। हाल ही में नितेश तिवारी की फिल्म रामायण का इंटरनेशनल ट्रेलर लॉन्च किया गया था, जिसमें कई नए और दिलचस्प सीन देखने को मिले। इस

लॉन्च इवेंट के दौरान यश ने साई पल्लवी को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि साई पल्लवी बेहद धार्मिक स्वभाव की हैं और उन्हें जब भी वक्त मिलता है, वह मां सीता को याद करने लगती हैं। यश ने इस बात पर जोर दिया कि साई पल्लवी भगवान में बहुत ज्यादा विश्वास रखती हैं और ईश्वर के प्रति उनके मन में खास श्रद्धा है। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि साई को सीता का रोल निभाने का मौका मिला। उनमें इस रोल के लिए टैलेंट भी है और उनका दिल भी बहुत अच्छा है। उन्होंने दर्शकों से अपील की कि वे साई पल्लवी को इस रोल में अपना प्यार दें और उन्हें अपना आशीर्वाद दें। यह पहली बार नहीं है कि किसी ने साई पल्लवी की इतनी तारीफ की हो। इससे पहले फिल्म में भगवान राम का रोल निभाने वाले रणबीर कपूर ने भी लॉस एंजिल्स में हुए एक

इवेंट के दौरान उनकी जमकर प्रशंसा की थी। रणबीर ने कहा था कि साई पल्लवी एक बेहतरीन स्टार हैं। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने पहली बार साई पल्लवी को माता सीता के गेटअप में देखा, तो वह हैरानी से नितेश तिवारी की ओर देखने लगे थे और सोचने लगे थे कि इनसे बेहतर इस किरदार के लिए कोई नहीं हो सकता था। रामायण एक विशाल परियोजना है जिसमें रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता और यश रावण के सशक्त किरदारों में दिखाई देंगे। इसके अलावा, फिल्म में सनी देओल हनुमान, रवि दुबे लक्ष्मण, कुणाल कपूर इंद्र, रकुल प्रीत सिंह शूर्पणखा, लारा दत्ता कैकेयी और दिग्गज अभिनेता अरुण गोविल राजा दशरथ के रोल में नजर आएंगे। नितेश तिवारी की बहुप्रतीक्षित फिल्म रामायण जल्द ही बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली है।

